बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 87 | शनिवार 20 जुलाई 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

जनपद हापुड़/समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम जिला अधिकारी हापुड़ को सौंपा ज्ञापन

संस्कार उजाला

पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राम हॉस्पिटल में अस्पताल मैनेजमेंट के द्वारा तीमारदार के साथ अभद्र व्यवहार करने के उपरांत पीड़ित के द्वारा पुलिस से शिकायत करने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं करने एवं पूंजी पत्तियों की सरकार बताते हुए बगैर जांच किए एसपी अभिषेक वर्मा एडिशनल एसपी राजकुमार अग्रवाल एवं पिलखुवा कोतवाल का तत्काल प्रभाव से ट्रांसफर करने के संबंध में समाजवादी पार्टी के पद अधिकारियों ने महामहिम राज्यपाल के नाम जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंप कर कार्यवाही की मांग की है।

विदित रहे कि रामा हॉस्पिटल पिलखुआ में जुबेदा नाम की महिला के इलाज में लापरवाही की शिकायत करने पर जुबेदा के परिजन एवं पुलिस के साथ रामा मेडिकल कॉलेज प्रशासन के द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। तथा पूंजी पत्तियों की सरकार ने पूंजी पत्तियों के दबाव में पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक, प्रभारी निरीक्षक पिलखुआ को बिना जांच के हटा दिया गया है। जुबेदा के बेटे के द्वारा जो प्रार्थना पत्र पुलिस को दिया गया था।उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस संबंध में महामहिम राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी हापुड़ को एक ज्ञापन जिला कलेक्ट्रेट हापुड़ पहुंचकर दिया गया। इस मौके पर आनंद गुर्जर जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी हापुड़,पूर्व जिला अध्यक्ष तेजपाल प्रमुख,जिला उपाध्यक्ष / सोशल मीडिया प्रभारी संजय सिंह यादव, अख्तर मालिक जिला उपाध्यक्ष,अनिल आजाद जिला उपाध्यक्ष,इकबाल कुरैशी प्रदेश सचिव , संजय गहलोत युगजन सभा जिला अध्यक्ष, रविंद्र यादव छात्र सभा जिला अध्यक्ष,रेशमा यादव महिला सभा जिलाअध्यक्ष,सीमा तनेजा,जावेद जरोदिया,वसीम मेवाती, कमल मंसूरी, संजय गर्ग,जहीर पहलवान,गौरव गोयल व्यापार सभा जिला अध्यक्ष,अंकित जी लोहिया वहिनी जिला अध्यक्ष,आदेश गोस्वामी पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष,संजय अग्रवाल,इकराम सूफी,आरिफ महानगर अध्यक्ष,उमर भाटी, पुरुषोत्तम वर्मा , दीपिका चुग प्रदेश सचिव आजाद अल्वी, पीयूष जी प्रदेश सचिव लोहिया बनी, बिलाल महासचिव मोहित नगर, जावेद, यामीन मलिक,अब्दुल मलिक,आमिर चौधरी, वकार चौधरी,आदि समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता नेतागढ़ मौजूद रहे।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो. नं.:-9911733939

नीट विवाद : सभी छात्रों के सेंटर और शहर के हिसाब से रिज्लट जारी करे

-सुप्रीम कोर्ट का एनटीए का आदेश

सोमवार को फिर होगी सुनवाई

नई दिल्ली ।

नीट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई गुरुवार को सीबीआई रिपोर्ट से शुरू हुई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के कम नंबर, आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट, पेपर में गड़बडी कब और कैसे हुई, कितने सॉल्वर्स पकड़े गए, फिर जांच की मांग और पेपर में गड़बड़ी की पूरी टाइमलाइन पर चर्चा हुई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को सभी छात्रों के सेंटर और शहर के हिसाब के अनुसार रिजल्ट ऑनलाइन अपलोड करने का आदेश दिया है। इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि सभी छात्रों के परिणाम-शहरवार और केंद्रवार- शनिवार दोपहर 12 बजे तक ऑनलाइन अपलोड किए जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक काउंसलिंग पर रोक लगाने से इंकार किया। एसजी ने कहा, काउंसलिंग में कुछ समय लगेगा। यह 24 जुलाई के आसपास शुरू होगी। सीजेआई ने कहा, हम सोमवार को ही सुनवाई को तैयार है।

नीट यूजी परीक्षा रद्द होगी या नहीं?

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को लंबी बहस के बाद भी 23 लाख मेडिकल इच्छुक को इस सवाल के जवाब का इंतजार है। अब नीट विवाद पर उम्मीदवारों को सोमवार को होने वाली सुनवाई का इंतजार करना होगा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से पूछा, 23.33 लाख में से कितने छात्रों ने अपना परीक्षा सेंटर बदला? इस पर एनटीए ने जवाब दिया कि करेक्शन के नाम पर छात्रों ने सेंटर बदला है। 15,000 छात्रों ने करेक्शन विंडो का इस्तेमाल किया था। हालांकि एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि छात्र सिर्फ शहर बदल सकते हैं और कोई भी उम्मीदवार केंद्र नहीं चुन सकता। सेंटर का चयन अलॉटमेंट सिस्टम द्वारा होता है। सेंटर का अलॉक्शन परीक्षा से सिर्फ दो दिन पहले होता है, इसलिए किसी को नहीं पता कि कौन सा सेंटर मिलने वाला है।

जब हुई आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट पर चर्चा

केंद्र और एनटीए की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में कहा था कि आईआईटी मद्रास की रिपोर्ट में नीटी यूजी 2024 परीक्षा में कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है। आईआईटी ने निष्कर्ष निकाला था कि परीक्षा के परिणामों में असामान्यता का कोई संकेत नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि न किसी गड़बड़ी का संकेत था और न ही उम्मीदवारों के एक स्थानीय समूह को लाभ पहुंचाया गया था, जिससे असामान्य अंक आए।

सुनवाई से पहले एनटीए ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अपना लिखित जवाब दाखिल किया है। एनटीए का कहना है कि नीट परीक्षा में कोई सिस्टेमैटिक फेलियर नहीं था।

जनपद हापुड़/सड़क पार करते समय दिल का दौरा पड़ने से युवक की मौत परिवार में मचा कोहराम

संस्कार उजाला

पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मौहल्ला न्यू आर्य नगर निवासी व्यक्ति की सड़क पार करते समय तिल का दौरा पड़ने पर हुई मौत से परिवार में मचा हड़कंप। आपको बता दें कि पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मौहल्ला न्यू आर्य नगर निवासी विकास शराब पीने का आदी था। जिसके चलते वह बीमार चल रहा था। जिसकी नेशनल हाईवे 9 सड़क पार करते समय बस स्टैंड पुलिस चौकी के पास हृदय गति रुकने के चलते हुई मौत से परिवार में मचा कोहराम। पुलिस क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह का कहना है कि विकास शराब पीने का आदि बताया गया है। जिसकी हार्ट अटैक से मौत होने पर पीड़ित परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है।

पाक सीमा में 13 हजार चीनी ड्रोन

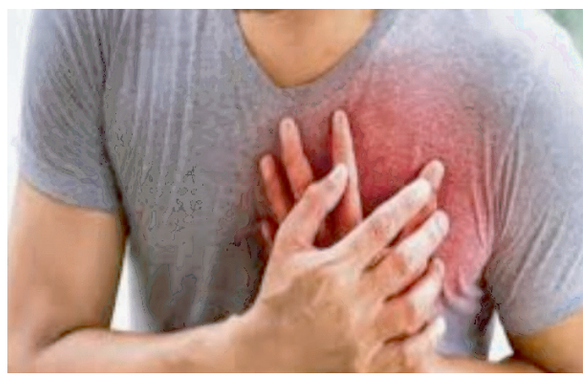

नई दिल्ली । पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, आतंकी संगठनों व तस्करों की मदद से जम्मू-कश्मीर और पंजाब में ड्रोन के जरिए हथियार, कारतूस, ड्रग्स के पैकेट गिराने की मौजूदा रफ्तार में तेजी लाने जा रही है। केंद्रीय एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी सीमा में लगभग 13 हजार ड्रोन की खेप पहुंच गई है। बॉर्डर के करीब सेना की निगरानी वाले स्थान पर पीली टेप के हजारों बंडल पड़े हैं। खास बात है कि ड्रोन व पिस्टल, चीन निर्मित हैं, जबकि कारतूस और ड्रग्स पाकिस्तान की है। ड्रोन की दिशा, सीमा पार जम्मू-कश्मीर और पंजाब रहेगी। इस बाबत भारत की सुरक्षा एजेंसियों को सीमावर्ती इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। भारतीय सीमा में मानसून के दौरान, ड्रोन के जरिए पीले रंग के पैकेट गिराए जाने की घटनाओं में तेजी देखने को मिल सकती है।

संदिग्ध चांदीपुरा वायरस से 4 और बच्चों की मौत

मौतों की संख्या 19 पर पहुंची, अब तक 31 मामले दर्ज; 5 बच्चों का इलाज चल रहा

राजकोट।। गुजरात में चांदीपुरा वायरस से संक्रमित मरीजों के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। आज राजकोट में 3 और पंचमहल जिले में 1 बच्चे की मौत हो गई। इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। राज्य में अभी तक चांदीपुरा वायरस के 31 संदिग्ध केस सामने आए है, जिसमें से 5 मरीजों का इलाज चल रहा है। राजकोट जिले में ही अब तक 5 संदिग्ध मरीजों की मौत हो चुकी है। इसमे मोरबी के राशि प्रदीप सहरिया को 12 जुलाई को राजकोट सिविल में भर्ती कराया गया था, जिसकी 14 जुलाई को मौत हो गई। पडधारी के हड़मतिया के 2 वर्षीय प्रदीप गोविंदभाई राठौड़ को 9 जुलाई को भर्ती कराया गया था और 15 जुलाई को उसकी मौत हो गई। जेतपुर के हुमाया गांव के 8 वर्षीय कालू चंपूलाल को 15 जुलाई को भर्ती कराया गया था और उसी दिन उसकी मौत हो गई थी। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के 13 वर्षीय सुजाकुमार धनकन को 16 जुलाई को भर्ती कराया गया था और उसी दिन मौत हो गई थी। जबकि 3 वर्षीय रितिक राजाराम मुखिया को 14 जुलाई को भर्ती कराया गया था और 17 जुलाई को उसने दम तोड़ दिया।

जनपद हापुड़/प्रेमी युगल ने लव मैरिज कर परिजनों से जताई हत्या की आशंका पीड़ित प्रेमिका ने एसपी को पत्र भेज कर सुरक्षा की लगाई गुहार

संस्कार उजाला भूपेंद्र वर्मा

हापुड़ नगर क्षेत्र के अंतर्गत एक प्रेमी युगल के द्वारा लव मैरिज करने के उपरांत पीड़ित प्रेमिका ने एसपी को शिकायती पत्र भेजकर परिजनों से ऑनर किलिंग की आशंका जाहिर करते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है। आपको बता दें कि हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चमरी निवासी ईशा ने परिजनों की इच्छा के विपरीत अपने प्रेमी आवास विकास निवासी प्रेमी पीयूष से 8 जुलाई को गाजियाबाद के आर्य समाज मंदिर में रजिस्टर्ड शादी कर ली थी। शादी के उपरांत प्रेमिका ईशा ने अपने परिजनों से अपने प्रेमी और अपनी जान को खतरा बताते हुए ऑनर किलिंग की आशंका जाहिर करते हुए एसपी को शिकायती पत्र भेजकर सुरक्षा की गुहार लगाई है।

कुपवाड़ा में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने दो आतंकी किए ढेर, डोडा में भी ऑपरेशन जारी

जम्मू कश्मीर।

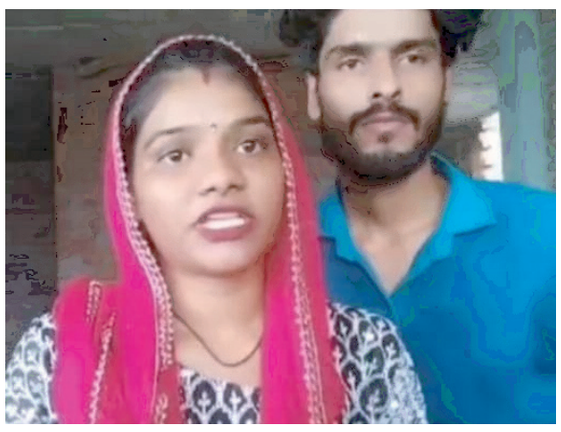

जम्मू संभाग के जिला डोडा के बाद कश्मीर के उत्तरी इलाके के जिला कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में मुठभेड़ शुरू हो गई है। गुरुवार को सीमांत क्षेत्र केरन में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। मौके पर सेना की 6 आरआर और पुलिस के एसओजी के जवानों ने मोर्चा संभाला हुआ है। यहां, जवानों ने दो आतंकवादी मार गिराए हैं। जम्मू कश्मीर में गुरुवार को मौसम बिगड़ा हुआ है। कई इलाकों में बारिश हुई है। बादल छाए हुए हैं। इससे पहाड़ी इलाके धुंध से घिर जाते हैं। इसी बीच सुरक्षाबल आतंकियों से लोहा ले रहे हैं। उधर, डोडा में भी मुठभेड़ चल रही है। बिगड़े मौसम के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। डोडा में सोमवार से आतंकियों की तलाश के लिए अभियान चल रहा है। डोडा में चार दिनों में ये तीसरी मुठभेड़ है, लेकिन अभी सुरक्षाबलों को सफलता नहीं मिल पाई है। घने जंगल, ऊंचे पहाड़ और बिगड़ा हुआ मौसम सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बना हुआ है, लेकिन जवान डटे हुए हैं। एक

अधिकारी ने कहा कि जल्द ही आतंकियों का सफाया किया जाएगा। रामबन-डोडा रेंज के डीआइजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि ऑपरेशन अभी चल रहा है। जल्द इसे पूरा कर लिया जाएगा। देर रात करीब दो बजे डोडा के कास्तीगढ़ इलाके में हुई मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। उन्हें राजकीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद कमान अस्पताल भर्ती कराया गया है। यहां उनका उपचार चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच रात में सेना ने संदिग्ध गतिविधियां देखी। तुरंत तलाशी के दौरान आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि शुरुआती गोलीबारी के दौरान सेना के दो जवान घायल हो गए।

मुस्लिम समुदाय की लड़की ने लगाई हिंदू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू से न्याय की गुहार मनचलों के छेड़छाड़ से पीड़ित थी युवती

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय। जिले की लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत मोहल्ला मीरा टोला की रहने वाली एक मुस्लिम युवती ने राज पुत्र मोहम्मद रफीक पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़ित युवती ने बताया कि राज आए दिन उसे परेशान करता है घर से बाहर निकलते ही उसके पीछे पड़ जाता है और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करता है। कहीं से न्याय ना मिलता देख थक हार कर पीड़िता ने राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना के कार्यालय पर पहुंच कर अपनी आप बीती संगठन के मुखिया विकास हिन्दू से बताई। पीड़िता की बात सुनकर विकास हिंदू ने मौके पर ही लहरपुर थाने में फोन कर न्याय दिलाने की बात की पीड़ित युवती ने लहरपुर थाने में तहरीर दी है पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस सम्बन्ध में जब लहरपुर कोतवाल मुकुल प्रकाश वर्मा से बात हुई तो उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था आरोपी की तलाश की जा रही है।

आगामी बजट में मिडिल क्लास को बड़ी सौगात दे सकती है सरकार

पीएम आवास योजना में इनकम लिमिट होगी कम

नई दिल्ली ।

देश के शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए सरकार पीएम आवास योजना को बढ़ाना चाहती है। सरकार शहरों में रहने वाले मध्यम वर्गीय परिवारों की आय सीमा को घटाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस योजना का लाभ देने पर विचार कर रही है। इसके साथ ही सरकार इसे सही तरह से अमल में लाने के लिए एक बार की जगह पांच साल के लिए सब्सिडी दिया जाएगा। हालांकि सब्सिडी की राशि को लेकर सरकार चुप है। वहीं सूत्रों की मानें तो सरकार अंतिम चरण में दी गई राशि को ही इस बार भी देने की तैयारी कर रही है। पिछली बार इस योजना के तहत 2.6 लाख रुपये दिए गए थे।

आगामी 23 जुलाई को आने वाले बजट में ऐसी संभावना है कि सरकार इस योजना को अमल में लाए। वर्तमान समय में इस योजना में इनकम लिमिट 18 लाख रुपये है। लेकिन सरकार इस लिमिट को घटाकर 10 लाख रुपये करना चाहती है। अभी तक यह योजना दो चरणों में चल रही थी। पहले चरण में सरकार जिनकी आय 6 लाख से 12 लाख रुपये के बीच हैं तथा जिन परिवार की आय 12 लाख से लेकर 18 लाख के बीच है। जिसे अब सरकार एक श्रेणी में करने पर विचार कर रही है। इस योजना के तहत उन परिवारों को शामिल किया जा सकता है। जो परिवार शहरों में किराए के घरों, अवैध कॉलोनियों और झुग्गियों में रहने वाले परिवारों को उनके घर के लिए कुछ पैसे देकर उनकी मदद करना है। इन रुपयों पर ब्याज लगेगा लेकिन उसका ब्याज बहुत कम होने की संभावना है। इसको लेकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकार इस बार पिछली योजनाओं से सीख के कई नए नियम बनाए गए हैं। इस वजह से सिस्टम को सही तरीके से चलाया जा सके। केंद्र सरकार नए सरकार के गठन के बाद पहली कैबिनेट बैठक में अगले पांच वर्षों में तीन करोड़ परिवारों को घर देने का लक्ष्य रखा है। जिसमें से दो करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में जबकि शहरी इलाकों में एक करोड़ का सरकार ने लक्ष्य रखा है। इस योजना के लिए सरकार बजट आवंटित करेगी।

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

ललित गर्ग

केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया।

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है।

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संत्पत परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें।

डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले ह्यकश्मीर टाइगर्सह्ल जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी

वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है।

पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन उसे उकसाने में लगा हुआ होगा, इसलिए भारत को कहीं अधिक सतर्क रहना होगा।

केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। बढ़ती आतंकी घटनाओं पर गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नजर बनाए हुए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देगा लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों को आतंकियों के प्रति अपनी रणनीति बदलनी होगी और आतंकी जिन बिलों में छिपे होंगे उन्हें वहां से निकालकर ढेर करना होगा। आतंकवाद पर अंतिम प्रहार करने की तैयारी करनी होगी और साथ ही आर्तकियों के मददगारों की भी पहचान करनी होगी, तभी आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जा सकता है।

पुलिस के आला अधिकारी यदि यह कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी 'घुसपैठ' को बढ़ावा देने में कतिपय राजनीतिक दलों का रुख भी जिम्मेदार रहा है, तो क्या यह आधारहीन है? इसका मुकाबला हर स्तर पर हम एक होकर और सजग रहकर ही कर सकते हैं। यह भी तय है कि बिना किसी की गद्दारी के ऐसा संभव नहीं होता है। ताजा आतंकी हमलों के विकराल रूप कई संकेत दे रहे हैं, उसको समझना है। कई सवाल खड़े कर रहा है, जिसका उत्तर देना है। यह पाकिस्तान का बड़ा षड़यंत्र है इसलिए इसका फैलाव भी बड़ा हो सकता है। ये घटनाएं चिल्ला-चिल्ला कर कह रही हैं हमारी खोजी एजेन्सियों से, हमारी सुरक्षा व्यवस्था से कि वक्त आ गया है अब जिम्मेदारी से, सख्ती से और ईमानदारी से जम्मू-कश्मीर को संभालें।

संपादकीय

'भूमिपुत्र' की राजनीति

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने भारी विरोध के बाद बुधवार को उस विवादित विधेयक पर रोक लगा दी है, जिसके तहत निजी क्षेत्र में कन्नड़. लोगों के लिए नौकरियों का प्रावधान किया गया था। इस विधेयक को बृहस्पतिवार को विधानसभा में प्रस्तुत किया जाना था। हैरानी की बात है कि संविधान की मूल भावनाओं को समझे बगैर कर्नाटक की कैबिनेट ने इस विधेयक को मंजूरी दी। कर्नाटक राज्य उद्योगों, कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए रोजगार विधेयक-2024 के प्रस्तावों के मुताबिक, निजी क्षेत्र के कंपनियों को प्रबंधन स्तर की 50 प्रतिशत और गैर-प्रबंधन स्तर की 70 प्रतिशत नौकरियां कन्नड़. लोगों को अनिवार्य रूप से देनी होगी। इस विधेयक में यह भी प्रावधान था कि निजी क्षेत्रकी कंपनियों में समूह सी और ड़ी श्रेणी के पदों के लिए स्थानीय निवासियों को 100 फीसद आरक्षण दिया जाएगा। इस तरह की 'भूमिपुत्र' नीति लागू करने वाला कर्नाटक पहला राज्य नहीं है। आंध्र प्रदेश ने 2019 में, हरियाणा ने 2020 में इसी तरह के मिलते-जुलते विधेयक पारित किए थे। वस्तुतः स्थानीय लोगों को निजी प्रतिष्ठानों में आरक्षण देने का प्रावधान शेष भारत के नागरिकों के साथ भेदभाव पैदा करता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है, जिसमें कहा गया है कि राज्य भारत के राज्य क्षेत्र में किसी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता से या कानूनों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा। इन्हीं आधारों पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में दो सदस्यीय खंड़पीठ ने 17 नवम्बर, 2023 को हरियाणा सरकार के कानून हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार अधिनियम, 2020 रद्द कर दिया जिसके तहत राज्य के निवासियों के लिए हरियाणा के उद्योगों में 75 फीसद आरक्षण का प्रावधान था। निजी कंपनियों का मानना है कि ऐसे कानून नियोक्ताओं के संवैधानिक अधिकारों पर कुठाराघात करते हैं। निजी क्षेत्र की नौकरियां कर्मचारियों की योग्यता और कौशल पर आधारित हैं। वस्तुतः नई आर्थिक नीतियों के कारण अब सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरियां सीमित हो गई हैं। रोजगार के ज्यादातर अवसर अब निजी कंपनियों में ही रह गए हैं। इसलिए सरकारों को चाहिए कि ऐसे कदम न उठाएं जिनसे निजी कंपनियों के हितों पर चोट पहुंचे।

बेहतरीन रहे जीएसटी के सात वर्ष, उत्सव मनाने के लिए बहुत कुछ

सात एक विशेष संख्या है। चाहे गणित (अभाज्य संख्याएं और संख्या सिद्धांत), संगीत (सात संगीतमय स्वर), खगोल विज्ञान (चंद्र चरण में दिन) या पौराणिक कथा (सप्त चक्र, सप्त समुद्र या सप्त ऋषि) हो, सात का चक्र हमारे चारों ओर निरंतर मौजूद है। इसलिए यह प्रयास उचित है कि इस महीने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सात साल पूरे होने पर, हम इस बात की जांच करने के लिए कुछ समय निकालें कि स्वतंत्रता के बाद के सबसे बड़े कर सुधार, जीएसटी, जिसे 1 जुलाई, 2017 की मध्य-रात्रि को लागू किया गया था, का प्रदर्शन कैसा रहा है। तब से, जीएसटी ने बड़े पैमाने पर अकादमिक ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। अनुपालन के सरलीकरण, लॉजिस्टिक्स में सुधार से लेकर मजबूत राजस्व संग्रह तक के प्रत्येक आयाम की विस्तार से जांच की गई है।

जीएसटी के विषय से जुड़े कई दृष्टिकोणों में से एक है- जीएसटी के राजस्व प्रदर्शन पर हाल में हुई चर्चा. जो अन्य बातों के साथ-साथ यह दशार्ती है कि सकल राजस्व संग्रह में तेज वृद्धि दर्ज की जा रही है, लेकिन इस वृद्धि के अनुरूप शुद्ध राजस्व नहीं बढ़ा है। शुद्ध राजस्व हाल ही में जीएसटी-पूर्व स्तरों पर पहुंच पाया है। शुद्ध संग्रह में इस गिरावट को कुछ चिंता के साथ देखा जा रहा है। इसके अलावा, विशेष रूप से धन वापसी (रिफंड) के साथ डेटा की उपलब्धता की कमी तथा जीएसटी परिषद के कामकाज पर भी कुछ चिंताएं व्यक्त की गई हैं। आइए राजस्व प्रदर्शन से शुरू करते हुए इनमें से प्रत्येक बिंदु पर गहराई से विचार करें।

खुशी की बात है कि शुद्ध राजस्व संग्रह लगातार बढ़ रहा है और जीएसटी लागू होने के बाद इसकी वृद्धि की गति बढ़ी है। दूसरा, जीएसटी शुरू होने के बाद की अवधि में शुद्ध राजस्व की वर्ष-दर-वर्ष आधार पर होने वाली वृद्धि (जीएसटी के शुरू होने से पहले की अवधि में 11.81 प्रतिशत की तुलना में) औसतन 12.76 प्रतिशत रही। यह उपलब्धि महामारी के बाहरी झटके के बावजूद है। तीसरा, हम यह देख सकते हैं कि शुद्ध राजस्व वृद्धि ने लगातार सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह नई कर व्यवस्था की प्रणालीगत दक्षताओं को दशार्ता है।

राजस्व संग्रह कर दरों का एक फलन होता है। यहां संदर्भ के लिए, हम इस तथ्य को याद कर सकते हैं कि कर संग्रह संबंधी दक्षता में सुधार के साथ-साथ कर दरों में उल्लेखनीय कमी आई थी। जीएसटी की शुरूआत से पहले, जीएसटी के लिए राजस्व निरपेक्ष दर (आरएनआर) से संबंधित समिति ने 15-15.5 प्रतिशत की दर की सिफारिश की थी। इसके ठीक उलट जीएसटी की शुरूआत के समय इसकी प्रभावी दर 14.4 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया था। बाद में सितंबर 2019 में इसे घटाकर 11.6 प्रतिशत कर दिया गया और मार्च, 20238 में यह 12.2 प्रतिशत हो गया। राजस्व के संदर्भ में, इसे अर्थव्यवस्था के लिए पिछले साल ही 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत (प्रोत्साहन) के रूप में निरूपित किया जा सकता है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की तुलना में भारत की जीएसटी दरें दुनिया में सबसे कम हैं।

एक उठता हुआ ज्वार सभी नावों को ऊपर उठा देता है। राजस्व में वृद्धि एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम होता है, हालांकि सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि के ऊपर राजस्व संग्रह में होने वाली वृद्धि (या उछाल) एक कर प्रणाली की प्रणालीगत दक्षता की असली परीक्षा होती है। इस मामले में, जीएसटी की शुरूआत के बाद से पहले पांच वर्षों के दौरान, सकल घरेलू उत्पाद (मौजूदा कीमतों पर) के मुकाबले शुद्ध राजस्व उछाल 1.02 था, जबकि जीएसटी के बाद के सात वर्षों के दौरान यह 1.28 था। यह जीएसटी द्वारा संभव बनाई गई संग्रह संबंधी क्षमता का एक प्रमाण है।

निस्संदेह, मासिक आधार पर जारी किए गए राजस्व के आंकड़ों में आमतौर पर सकल संग्रह के आंकड़े शामिल होते हैं। शुद्ध आंकड़े केवल फरवरी, 2024 से प्रकाशित किए गए हैं। हालांकि, जीएसटी की शुरूआत के बाद से प्रत्येक वर्ष की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट प्रकाशित की गई है और सार्वजनिक रूप से रखी गई है। इन रिपोर्टों में निर्यात के कारण किए जाने वाले जीएसटी रिफंड से संबंधित महीने-वार विवरण शामिल हैं। इसलिए रिफंड संबंधी आंकड़ों की सार्वजनिक दृश्यता, थोड़े अंतराल पर ही सही, बनी हुई है।

हम, बिना किसी आधार के, इस दावे की जांच करने के लिए आगे बढ़ते हैं कि जीएसटी परिषद में केन्द्र का 'प्रभुत्व' है1 जीएसटी की शुरूआत के साथ, केन्द्र और राज्यों ने नए कर के प्रशासन से संबंधित मामलों में, खासतौर पर नीति निर्माण, दरों के निर्धारण, कानूनों/नियमों का मसौदा तैयार करने, अनुपालनों के समन्वय आदि जैसे क्षेत्रों में अपनी संप्रभुता को एकाकार किया। कभी-कभी इसे राज्यों की शक्तियों पर प्रतिबंध के रूप में उद्धृत किया जाता है। हालांकि, यह केन्द्र सरकार के लिए भी समान रूप से एक 'प्रतिबंध' है। जीएसटी परिषद ने अपनी समितियों के समर्थन से कई जटिल मुद्दों पर विचार किया है और वह कई ऐसी सिफारिशें लेकर आगे आई है, जिससे कानून के प्रशासन में एकरूपता और दरों की संरचना में स्थिरता आई है। यह सहकारी संघवाद की भावना का एक प्रमाण है। जीएसटी परिषद के सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

- देवी प्रसाद मिश्रा

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

सोशल मीडियाः महंगा पड़ता रील्स का दिखावा

रजनीश कपूर

सोशल मीडिया के इस युग में आजकल जिसे देखो वो अपने स्मार्ट फोन पर रील्स बनाते रहते हैं। कभी-कभी तो कुछ लोग इतने जोखिम भरे रील्स बनाते हैं जो जानलेवा हो जाते हैं। कितनों की मौत हो जाती है तो कई लोग आजीवन विकलांग हो जाते हैं, परंतु आज सोशल मीडिया पर रील्स व पोस्टों से होने वाले जिस नुकसान की बात हम करेंगे वह इन सब से अलग है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर डाले जाने वाली पोस्ट और रील्स के चलते अब देश की संस्थाओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि सरकारी नौकरी पर तैनात लोगों ने या नए-नए भर्ती हुए अभ्यर्थी सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा पोस्ट करते हैं जो उन्हें नहीं करना चाहिए। ये शौक उन्हें बहुत महंगा पड़ जाता है। मामला एक महिला प्रशिक्षार्थी आईएएस अधिकारी का है, जिसने नई मिली सत्ता के नशे में कुछ ऐसा कर डाला कि संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठा भी दांव पर लग गई। पुणे जिला मुख्यालय में प्रशिक्षण के लिए नियुक्ति के दौरान अपनी अनुचित मांगों और अभद्र व्यवहार के कारण 2023 बैच की आईएएस पूजा खेडकर आजकल काफी चर्चा में हैं।

इन पर आरोप है कि बतौर प्रोबेशन आईएएस अधिकारी रहते हुए इन्होंने सत्ता का दुरुपयोग किया। हद तो तब हुई जब पूजा की अनुचित मांगों को प्रशासन द्वारा स्वीकारा नहीं गया तो उन्होंने अपनी निजी विदेशी लग्जरी कार का इस्तेमाल किया और उसी पर लाल बत्ती लगवा डाली। उन पर यह भी आरोप है कि एडिशनल कलेक्टर के छुट्टी पर रहने के दौरान खेडकर ने उनके चेंबर पर कब्जा कर लिया और अपनी नेमप्लेट तक लगा दी। इस तरह ताकत का प्रदर्शन करने के शौक ने उन्हें इस हद तक गिरा दिया कि वे नियम और कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाने लग गइ्र। इतना ही नहीं जैसे ही इनकी अनुचित मांगों के किस्से मीडिया में आने लगे तो इनके चयन को लेकर भी सवाल उठने शुरू हो गए। उल्लेखनीय है कि, सिविल सेवा परीक्षा के दौरान पूजा खेडकर ने यह दावा किया था कि वह मानिसक रूप से दिव्यांग हैं और उन्हें देखने में भी समस्या है। इसी दावे के चलते पूजा को रियायत मिली और कम अंक पाने के बावजूद उन्हें आईएएस में चुन लिया गया। परंतु हैरानी की बात यह है कि बिना मेडिकल जांच के ही उनका प्रशासनिक सेवा में चयन कैसे हुआ? पांच बार मेडिकल जांच को चकमा देने के बाद, कुछ सप्ताह बाद उन्होंने एक निजी क्लिनिक की जांच रिपोर्ट जमा करवाई जिसे संघ लोक सेवा आयोग ने अस्वीकार कर दिया। इस सबके बावजूद न सिर्फ पूजा का चयन आईएएस में हुआ बल्कि नियमों के विरुद्ध उन्हें ट्रेनिंग के लिए उनके गृह राज्य में ही भेज दिया गया, जबकि गृह राज्य में पोस्टिंग सेवाकाल के अंत में विशेष परिस्थितियों में दी जाती है। मामले के तूल पकड़ने पर पूजा को उनकी ट्रेनी पोस्ट से हटा कर वापस मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी भेज दिया गया है जहां पूजा को उन पर लगे आरोपों की जांच होने तक रहना होगा।

यहां सवाल पूजा का नहीं है बल्कि आईएएस बनने या प्रशासनिक सेवा में चुने जाने वाले हर उस उम्मीदवार का है जिसके माता-पिता प्रभावशाली अफसर या बड़े नेता हैं। वरना क्या वजह है कि किसी बड़े नेता के बेटा-बेटी का सामान्य से भी कम बुद्धिमता होने के बावजूद आईएएस जैसी कठिन परीक्षा में एक बार में ही चयन हो जाता है? जबकि मेहनत और ईमानदारी से यूपीएससी की तैयारी करने वाले लाखों साधारण युवाओं का कई-कई प्रयासों के बाद भी चयन नहीं हो पाता? इन सब परतों से पर्दा तब उठता है जब प्रभावशाली अभिभावकों के ऐसे ह्यहोनहार' बालक सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा पोस्ट कर देते हैं जो उनके मानसिक स्तर को दशार्ता है।

आपको याद होगा कि उत्तर प्रदेश के एक आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह द्वारा गुजरात चुनाव में ड्यूटी के दौरान सरकारी कार के आगे खड़े होकर खिंचवाई गई फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी। इसका संज्ञान लेते हुए केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने उनके आचरण को अनुचित माना और उन्हें चुनाव की ड्यूटी से हटा दिया था, परंतु अभिषेक जैसे आपको कई अधिकारी मिल जाएंगे जो कि चर्चा में बने रहने के लिए अपने पद की गरिमा का ध्यान न करके सोशल मीडिया पर ना जाने क्या-क्या डालते हैं। मामला पूजा खेडकर का हो या किसी प्रभावशाली मां-बाप के बेटे-बेटी का हो, ऐसी क्या मजबूरी है कि इन 'होनहारों' को यूपीएससी के चयन में एक के बाद एक छूट दे दी जाती है? जबकि किसी भी साधारण उम्मीदवार के साथ किसी भी तरह की रियायत नहीं दिखाई जाती। पूजा के मामले के बाद ऐसे कई और उदाहरण भी सामने आए हैं जहां फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई उम्मीदवारों ने सिविल सेवा में बड़ी आसानी से भर्ती पाई। इस सबसे संघ लोक सेवा आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठने लगे हैं। देखना यह होगा कि ऐसी अनियमितताओं के लिए किस-किस को दोषी पाया जाता है?

विचाराधीन कैदियों के लिए नजीर बनेगा सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लंबे समय से जेल में बंद आरोपियों की जमानत को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अपनी जमानत अर्जी पर शीघ्र सुनवाई हो, ये अभियुक्त का मौलिक अधिकार है। इस अधिकार को जघन्य अपराधों के मामलों में भी छीना या कम नहीं किया जा सकता है। उन विचाराधीन कैदी को जमानत देने से नहीं रोक सकते जो लंबे समय से जेल में बंद है, और ट्रायल का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि लंबे समय से जेल में बंद कैदी के मामले में निकट भविष्य में ट्रायल पूरा होने की संभावना नहीं है, इसकारण यह जमानत देने का अच्छा आधार है। सुप्रीम कोर्ट ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) यानी यूएपीए अधिनियम के तहत आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता और उच्च गुणवत्ता वाले नकली भारतीय नोटों की तस्करी के आरोप में ट्रायल का सामना कर रहे एक आरोपी को जमानत दे दी। आरोपी पिछले 9 वर्षों से जेल में बंद था। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस न्यायालय ने बार-बार इस पर जोर दिया है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोपरि और पवित्र है। जजों का कहना था कि यदि किसी संवैधानिक न्यायालय को लगता है कि अनुच्छेद 21 के तहत विचाराधीन अभियुक्त के अधिकार का उल्लंघन हुआ है, तब उस दंड विधान में प्रतिबंधात्मक वैधानिक प्रावधानों के आधार पर जमानत देने से नहीं रोका जा सकता।

साइबर ठगों ने व्यापारी से ठगे करीब पांच लाख, जयपुर में इस तरह की घटना हुई आम

जयपुर। साइबर ठग आए दिन नए नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं और लाखों रुपए ऐंठ रहे हैं। ठग कभी ईडी, कभी सीबीआई तो कभी आयकर अधिकारी बनकर लोगों पर गबन और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाकर गिरफ्तार करने की धमकी देते हैं। गिरफ्तारी से बचने का झांसा देते हुए लाखों रुपए वसूलते हैं। पिछले एक महीने में जयपुर में इस तरह की तीन घटनाएं हुई हैं। पहली घटना एक महिला बैंक मैनेजर से 17 लाख रुपये ठग लिए। दूसरी वारदात रिटायर्ड जज से पांच लाख रुपए ठग लिए। तीसरी घटना में एक कारोबारी से 4.90 लाख रुपए ठग लिए। एक बार 4.90 लाख रुपए ऐंठने के बाद साइबर ठगों ने फिर से रुपए वसूलने का प्लान बनाया। दो दिन पहले फिर से उसी व्यक्ति का कॉल आया और फिर से पांच लाख मांगने लगा। दोबारा रुपए मांगे से प्रदीप लोईवाल ने रुपए देने से इनकार कर दिया। प्रदीप ने अपने परिचितों से बताया तो उनकी सलाह पर मुकदमा दर्ज कराया गया। मामले की जांच की जा रही हैं।

जीतन सहनी हत्याकांड में मुकेश सहनी के करीबी का आया नाम

पटना। बिहार के बहुचर्चित जीतन सहनी हत्याकांड का मुख्य आरोपित भले ही पुलिस की गिरफ्त में हो लेकिन बिहार पुलिस अभी भी एक ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रही, जिसका इस हत्याकांड से संबंध है और विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी का नजदीकी है। जीतन सहनी की हत्या मामले में दरभंगा के एसएसपी ने अब तक की सभी जानकारी मीडिया को दी है। लेकिन एक सवाल के जवाब में एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने माना है कि पूरे मामले में मुकेश सहनी के परिवार के एक बेहद करीबी व्यक्ति भी इस मामले में शक के दायरे में है। पुलिस ने मुकेश सहनी के परिवार के उस करीबी से भी लगातार पूछताछ की है। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए मुकेश सहनी के परिवार के करीबी के अलावा बाकी सभी हिरासत में लिए गए लोगों को पुलिस ने क्लीन चीट नहीं दिया है। हालांकि एसएसपी ने फिलहाल शक के दायरे में आए मुकेश सहनी के परिवार के सदस्य का नाम नहीं बताया है और ना बाकी लोगों का भी नाम बताया है, जो अन्य लोग हिरासत में हैं। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार काजिम अंसारी से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। काजिम अंसारी को दरभंगा पुलिस जल्द ही रिमांड पर लेगी और जरूरी पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया था कि काजिम अंसारी ने जीतन सहनी से करीब डेढ़ लाख रुपए सूद पर लिए थे और इसके बदले जमीन के कागजात दिए थे। काजिम अंसारी जमीन का कागजात जीतन सहनी से लेना चाहता था जबकि उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद उसने गुस्से में आकर अपने साथियों के साथ मिलकर जीतन सहनी की हत्या कर दी। वहीं जिस अलमारी में उसके जमीन के कागजात रखे हुए थे, उसकी चाबी नहीं मिलने पर उसने अलमारी पानी में फेंक दिया था. जीतन सहनी की शव क्षत-विक्षत पड़ी हुई थी।

फेमस होने के लिए सीएम योगी को बम से उड़ाने की दी धमकी!

प्रयागराज। एलएलबी कर रहे एक छात्र ने सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी सिर्फ इसलिए दे दी कि उसे फेमस होना था। नतीजा ये हुआ ये छात्र हवालात पहुंच गया। प्रयागराज के युवक की पहचान अनिरुद्ध पांडेय ने सोशल मीडिया पर बम से उड़ाने की धमकी दी। उसने अपने अकाउंट पर लिखा कि योगी को वह पांच दिन के भीतर बम से उड़ा देगा। जैसे ही यह पोस?ट वायरल हुआ, प्रयागराज पुलिस की साइबर सेल एक्टिव हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। सीएम योगी को इससे पहले कई मौकों पर जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है। आरोपी अनिरुद्ध पांडेय के रूप में हुई है। वह सराय इनायत के मलावा बुजुर्ग गांव का रहने वाला है। अनिरुद्ध झूंसी में स्थित एक निजी कॉलेज से एलएलबी सेकेंड इयर का छात्र है। पुलिस अफसरों का कहना है कि पूछताछ में युवक ने बताया कि उसने फेमस होने के लिए योगी को धमकी देने संबंधी पोस?ट किया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस और एसओजी की संयुक?त टीम लगाई गई थी। उसके लोकेशन सराय इनायत इलाके में मिली।

केरल में भारी बारिश के चलते लैंडस्लाइड,सैकड़ों घर तबाह, स्कूल-कालेजों की छुट्टी

नई दिल्ली। केरल में उत्तरी मालाबार जिलों के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश हो रही है। भयंकर बारिश से यहां सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के कई हिस्सों से बाढ़, पेड़ों के उखड़ने, संपत्ति को नुकसान और मामूली लैंडस्लाइड की घटनाएं सामने आईं। यहां आईएमडी ने एक दिन के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही तीनों जिलों में जिला प्रशासन ने शुक्रवार को स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित कर दी है। केरल में जगह-जगह हो रही बारिश से भारी तबाही देखने को मिल रही है। पलक्कड़ में एक स्कूल बस नहर में पलट गई, हालांकि कोई घायल नहीं हुआ और बच्चों को बचा लिया गया। कोझिकोड में जगह-जगह जलजमाव के चलते सड़कें डूबी हुई हैं। कन्नूर में भारी बारिश के चलते 80 लोगों को शिविरों में स्थानांतरित करना पड़ा और लगभग 71 परिवारों को कन्नूर में उनके रिश्तेदारों के घरों में ले जाया गया। यहां 13 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 242 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उत्तरी केरल के कुछ हिस्सों से बारिश के कारण दीवारें गिरने और आसपास खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचने की भी खबरें हैं। त्रिशूर और एर्नाकुलम जिलों से भी बारिश के कारण संपत्ति के नुकसान की खबरें आईं हैं। पिछले कुछ दिनों में राज्य में भारी बारिश के चलते लैंडस्लाइड, संपत्ति को नुकसान, सड़कों पर जलभराव और कई एकड़ खेत में बाढ़ आ गई है। इस बीच, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने चेतावनी दी है कि केरल तट, खासकर कन्नूर और कासरगोड में 2.5 से 3.4 मीटर ऊंची लहरें और तूफान आने की संभावना है। इन क्षेत्रों में मछुआरों और तटीय निवासियों को विशेष सावधानी बरतने, मछली पकड़ने वाले जहाजों को बंदरगाह में सुरक्षित रूप से बांधने और समुद्र तट की यात्रा से पूरी तरह से बचने की सलाह दी है। इनके अलावा, एर्नाकुलम जिले में एक हाथी नदी पार करने के कोशिश करते हुए कथित तौर पर बह गया और उसकी मौत हो गई। वायनाड जिले के पहाड़ी इलाकों में भी बड़े पैमाने पर भारी बारिश हुई, 29 से अधिक घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, 1,000 से अधिक लोगों को 22 शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया और क्षेत्र से बहने वाली नदियों के जलस्तर बढ़ गया है।

'2051 तक एक मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा असम, इसे कोई नहीं रोक सकता', हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा दावा

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने एक बार फिर कुछ ऐसा बयान दिया है जिससे सियासी बवाल छिड़ सकता है। उन्होंने दावा किया कि असम में मुस्लिम आबादी हर 10 साल में लगभग 30 प्रतिशत बढ़ रही है, और वे 2041 तक बहुसंख्यक हो जाएंगे। गुरुवार को गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सांख्यिकीय नमूने के अनुसार मुसलमान अब असम की आबादी का 40 प्रतिशत हो गए हैं। उन्होंने साफ तौर पर दावा किया कि 2041 तक असम मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा। यह एक वास्तविकता है और इसे कोई नहीं रोक सकता।

इसके साथ ही हिमंता ने कांग्रेस पर भी बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को रोकने में कांग्रेस की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि राहुल गांधी जनसंख्या नियंत्रण के ब्रांड एंबेसडर बन जाते हैं, तो यह नियंत्रित हो जाएगा क्योंकि समुदाय केवल उनकी बात सुनता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि तथ्यों के सांख्यिकीय प्रक्षेपण के आधार पर, वर्ष 2051 तक असम एक मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा। उन्होंन कहा कि असम में बढ़ती मुस्लिम आबादी का बयान तथ्यों पर आधारित है, राजनीति पर नहीं।

इससे पहले असम सरकार ने गुरुवार को एक कैबिनेट बैठक में असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को रद्द करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि आज हमने मुस्लिम विवाह अधिनियम को निरस्त किया और मुस्लिम विवाह पंजीकरण के लिए एक नया कानून लागू करेंगे। बाल विवाह 80प्र. अल्पसंख्यक समुदाय में होता है, और 20प्र. अन्य समुदायों में। लेकिन हमारे लिए यह समस्या धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक है। जल्द ही राज्य में बाल विवाह को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा।

वहीं, सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमने बाल विवाह के खिलाफ अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करके अपनी बेटियों और बहनों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भाजपा नेता ने आगे बताया कि आज असम कैबिनेट की बैठक में हमने असम निरसन विधेयक 2024 के माध्यम से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को निरस्त करने का निर्णय लिया है। सरकार ने बताया कि विवाह और तलाक के पंजीकरण में समानता लाने के लिए, राज्य मंत्रिमंडल ने असम निरसन विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 और असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण नियम, 1935 को निरस्त करना है।

गोंडा में रेल हादसे के बाद राहत-बचाव कार्य जारी, जल्द शुरु हो सकता है परिचालन

गोंडा। यूपी के गोंडा में जहां चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस पटरी से उतर गई थी। इस दुर्घटना में तीन की मौत हो गई और 30 लोग घायल हुए थे। वहां एक-एक करके कोच को वापस पटरी पर या धकेलकर दूसरी तरफ कर रहे हैं। इसे जल्द से जल्द ठीक करने की कोशिश की जा रही है। गोंडा में ट्रैक पर रेलवे ऑपरेशंस जल्द शुरू करने की कवायद जारी है। बता दें पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा-गोरखपुर रेल खंड पर मोतीगंज और झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच गुरुवार की दोपहर चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ वीकली एक्सप्रेस ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। जिलाधिकारी डॉ. नेहा शर्मा ने इस घटना में चार लोगों की मौत की पुष्टि की थी। हादसे में कई यात्री जख्मी हुए थे। घटना के समय ट्रेन के कुछ यात्री दोपहर के भोजन के बाद आराम कर रहे थे, वहीं अन्य लोग आने वाले स्टेशन पर उतरने की तैयारी में थे। तभी यह हादसा हो गया। हादस के बाद पटरियों से कुछ दूरी पर लोगों की अटैचियां और सामान बिखरे पड़े थे। बोगियों से बचकर बाहर निकले कुछ लोग बदहवास से पटरियों के पास ही बैठे दिखे। कई लोग अपनों को ढूंढते नजर आए। बच गए लोगों को बस एक ही फिक्र थी कि उसके अपने सुरक्षित हैं या नहीं। चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन की आठ बोगियों के गुरुवार को पटरी से उतर जाने की घटना के बाद मौके पर ऐसा ही दृश्य था।

'कांग्रेस बैसाखियों पर चलने वाली पार्टी', ओडिशा में नड्डा बोले- राज्य को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा भाजपा प्रमुख मनमोहन सामल की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राज्य कार्यकारी समिति की बैठक आज पुरी में शुरू हो गई है। आज बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक बैठक में राज्य के मौजूदा राजनीतिक और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई। राज्य कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी नेताओं को नड्डा ने संबोधित भी किया। अपने संबोधन के शुरूआत में उन्होंने कहा कि मैं ओडिशा भाजपा के एक-एक कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं, साधुवाद देता हूं। क्योंकि आप सभी ने पूरी ताकत लगाकर ओडिशा में कमल खिलाया है।

नड्डा ने कहा कि हम अपने लोगों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज मैं विश्वास दिलाता हूं कि हम अनुसूचित जाति समुदाय और हमारे आदिवासी भाइयों को मुख्यधारा में लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ओडिशा के हमारे आदिवासी भाइयों-बहनों ने भी भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है। आज हमारे 18 विधायक ट्राइबल समाज से हैं। इसलिए मैं आदिवासी भाइयों-बहनों का धन्यवाद करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा आपकी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है जिसमें आंतरिक प्रजातंत्र है, भाई-भतीजावाद नहीं है, अपना-पराया नहीं है। बल्कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को लेकर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक 'परजीवी' बन गई है, जो अपना पेट भरने के लिए दूसरों की ताकत का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खोखले वादों के अलावा किसी और चीज़ पर भरोसा नहीं करती है, और 'बैसाखी' के अलावा किसी और चीज़ पर नहीं चलती है।

अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद के बल पर खड़ी नहीं हो सकती है, ये बैसाखियों पर चलने वाली पार्टी है। कांग्रेस पार्टी को संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। ये संविधान के रक्षक नहीं, बल्कि भक्षक हैं। इन्होंने संविधान को एक बार नहीं, बल्कि अनेकों बार आघात पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को याद कीजिए, इन्होंने रातों-रात हमें जेलखानों में डाल दिया था। 1 लाख 25 हजार लोगों को जेल में डाल दिया था। ये राहुल क्या जानें अपनी दादी के कारनामें। कांग्रेस पार्टी ने 90 बार चुनी हुई सरकार को गिराने का काम किया।

नड्डा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो वि?धान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चल सकता। जिसे मोदी जी की इच्छशक्ति और अमित शाह जी की रणनीति ने धारा 370 को धाराशायी कर जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत अनिर्णय, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से त्रस्त था। हालाँकि, प्रधान मंत्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हमारे देश ने 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मार्गदर्शक सिद्धांतों को अपनाते हुए एक परिवर्तनकारी यात्रा की है। आज, भारत नए उद्देश्य और प्रगति की भावना के साथ चमक रहा है।

भगवान जगन्नाथ मंदिर के खजाने की जानकारी रहेगी गोपनीय

-रत्न भंडार की मरम्मत का काम होगा

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में भगवान जगन्नाथ मंदिर का खजाना खोलने को लेकर काफी समय से मांग हो रही थी। यह खजाना अब से पहले 1985 में खोला गया था। 46 साल बाद बीते 14 जुलाई को जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खुला। इसके लिए ओडिशा की भाजपा सरकार की एसओपी के मुताबिक खास तैयारियां की गई थीं।

रत्न भंडार के तहखाने की चाबियां खो गई थीं, इसलिए ताले तोड़कर नए ताले डाल दिए गए थे। इसके बाद 18 जुलाई को फिर रत्न भंडार खोला गया। रत्न भंडार में 11 सदस्यों की टीम करीब 7 घंटे तक रही। सरकार द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष जस्टिस विश्वनाथ रथ ने कहा कि पहले रत्न भंडार की मरम्मत का काम होगा। भगवान से प्रार्थना करे कि ये काम जल्द से जल्द हो जाए।

पिछली बार साल 1985 में तहखाने को खोला गया था। राजाओं के मुकुट से लेकर खजानों से भरी तिजोरियां देखने को मिली थीं। दरअसल, रत्न भंडार में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के कीमती आभूषण और खाने-पीने के बर्तन रखे हुए हैं। खजाने में वे चीजें हैं, जो उस दौर के राजाओं और भक्तों ने मंदिर में चढ़ाए थे। 12वीं सदी के बने मंदिर में तब से ये चीजें रखी हुई हैं। इस भंडारघर के दो हिस्से हैं, एक बाहरी और भीतरी भंडार।

गोपनीय रहेगी खजाने की जानकारी

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रमुख अरबिंद पाधी ने बताया कि रत्न भंडार के अंदर के चैंबर से सभी कीमती सामान एक अस्थायी स्ट्रांग रूम में शिफ्ट हो गए हैं। इनमें लकड़ी और स्टील की अलमारी और संदूक सहित सात कटेनर शामिल थे। एसओपी के अनुसार भीतरी कक्ष और अस्थायी स्ट्रांग रूम दोनों को बंद कर सील कर दिया गया है। रथ ने कहा कि भीतरी कक्ष के अंदर आभूषण और कीमती सामान सात कटेनरों में रखे गए, इनमें तीन लकड़ी की अलमारियां, दो लकड़ी की पेटियां और एक स्टील की अलमारी और एक लोहे की पेटी शामिल थी। सभी कीमती सामान नए कटेनरों में रखा गया और स्ट्रांग रूम को सील कर दिया गया है। चाबियां पुरी कलेक्टर को दे दी गई हैं। चाबियां खजाने में रखी जाएंगी। खजाने के बारे में न्यायमूर्ति रथ ने कहा कि हमने आंतरिक कक्ष के अंदर जो कुछ देखा, वह गोपनीय है। जिस तरह कोई अपने घर में कीमती सामान का खुलासा नहीं करता, उसी तरह भगवान के खजाने को सार्वजनिक रूप से बताना अनुचित होगा।

उपचुनाव से पहले चिंता बढ़ी, लेकिन कमान योगी ने ही संभाली

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी बीजेपी में कलह देखने को मिल रही है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी हाल ही में दिल्ली गए थे। इस दौरान जेपी नड्डा और पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। यूपी में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से पहले इन चर्चाओं ने बीजेपी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने फ्रंटफुट पर खेलने के संकेत दिए हैं और उपचुनाव की तैयारियों की कमान अपने हाथ में ले ली है। अभी चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सीएम योगी पहले ही सरकार और संगठन के पेंच कसना चाहते हैं। ऐसा इसलिए कि मंत्री अपने इलाकों में जिम्मेदारी संभाल लें और संगठन भी सक्रिय हो जाए ताकि चुनाव के ऐलान के वक्त दबाव न रहे। सीएम योगी ने हाल ही में सभी दस विधानसभा सीटों से जुड़े लोगों की बैठक भी बुलाई थी और प्रभारी तय किए गए थे।

सीएम योगी ने मंत्रियों और नेताओं को संकेत दिया है कि वे लोगों की समस्याओं को सुनें और जनसंपर्क बढ़ाएं। खासतौर पर बूथ मैनेजमेंट पर जोर दिया जाए। बुधवार को हुई बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक नहीं पहुंचे। दोनों नेता दिल्ली में थे। इसकी चर्चाएं भी खूब रहीं, लेकिन योगी आदित्यनाथ चुप्पी साधे रहे और मिशन-10 पर जुट गए। कयास इसलिए भी बढ़े थे क्योंकि बीजेपी के संगठन के भी कई वरिष्ठ नेता मौजूद नहीं थे। इस पर जब सवाल हुए तो बीजेपी के नेताओं ने ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा कि अभी तो यह सरकार का ही काम है। चुनाव के ऐलान के बाद संगठन भी सक्रिय हो जाएगा। यूपी में खराब नतीजों का सीधा असर सीएम योगी की छवि पर पड़ सकता है। इसलिए वह काफी सक्रिय हैं और चाहते हैं कि लोकसभा चुनाव वाली हार की निराशा दूर की जाए। योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों की बैठक तब बुलाई, जब डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक दिन पहले ही कहा था कि संगठन सरकार से बड़ा है।

महाराष्ट्र सरकार पर आठ लाख करोड़ का कर्ज, जनता को लुभाने ला रहे योजनाएं

-संजय राउत बोले-अपना रंग रूप बदलकर नाटक करने में माहिर हैं छगन भुजबल

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने लाडला भाऊ (यानी लाडला भाई) योजना की शुरुआत की है। इस योजना में शिंदे सरकार 12वीं पास लड़कों को आर्थिक मदद देगी। सरकार की इस योजना पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने शिंदे सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार पर आठ लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कोई छोटी रकम नहीं है। लोकसभा चुनाव में हार के बाद सरकार की ओर से लाडला भाऊ योजना ला रही है। लाडली बहना योजना मध्य प्रदेश की योजना है, जिसे महाराष्ट्र सरकार ने कॉपी किया है। उन्होंने कहा कि अब लाडला भाई योजना के तहत 12वीं पास युवाओं को 6 हजार और बेरोजगारों को दस हजार रुपए दिए जाएंगे और लाडली बहिना को सिर्फ 1500 रुपए। हमारी मांग है कि लाडली बहिना योजना के तहत बहनों को भी दस हजार रुपए दिए जाएं, तभी उनका घर चलेगा। संजय राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान महायुति के लोग कह रहे थे कि विपक्ष दस सीट भी नहीं जीतेगा। लेकिन, हमने 31 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके अलावा चार सीटों पर बहुत कम अंतर से हमारी हार हुई है। आगामी विधानसभा चुनाव में भी महाविकास अघाड़ी 280 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। महाराष्ट्र में बीजेपी की सीटों की संख्या 2019 में 23 थी जो हाल के लोकसभा चुनावों में घटकर सिर्फ 9 रह गई है। सीएम शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को सात जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल कर सकी और विपक्षी एमवीए जिसमें शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस शामिल हैं, ने बेहतर प्रदर्शन कर 48 में से 30 सीटों पर जीत हासिल की। राउत ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में एमवीए 288 में से 280 सीटें जीतेगी।

वहीं राउत ने छगन भुजबल पर भी निशाना साधते हुए उन्हें बहुत बड़ा कलाकार बताया है। संजय राउत ने कहा कि उन्होंने फिल्मों में भी काम किया है। अपना रंग रूप बदलकर नाटक करने में छगन भुजबल माहिर हैं। शरद पवार की देश में और महाराष्ट्र की राजनीति में उनकी प्रतिष्ठा है। देखते रहिए आगे क्या होता है। बता दें कि लाडला भाऊ (लाडला भाई) योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार ने 12वीं पास को 6 हजार रुपए तो वहीं, बेरोजगार युवकों को 10 हजार की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। इससे पहले, महाराष्ट्र सरकार ने मुख्यमंत्री लाडली बहिना योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत 21 से 60 साल की पात्र महिलाओं को सरकार की ओर से हर महीने 1500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है।

आरएसएस के मुरीद हुए दिग्विजय सिंह! यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को दे दी सीखने की नसीहत

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर बड़ा बयान दिया है। आरएसएस के कट्टर आलोचकों में से एक दिग्विजय सिंह ने इसको लेकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एक नसीहत दी है। उन्होंने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीखें कि संदेश को प्रभावी ढंग से कैसे संप्रेषित किया जाए और संगठन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करें। दिग्विजय सिंह ने यह बात जबलपुर में कही जब वे कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले और नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में दिग्विजय सिंह ने कहा कि संघ से सीखिए, हालांकि हम उनके कट्टर विरोधी हैं। वे दिमागी खेल खेलते हैं। वे कभी विरोध नहीं करेंगे, कभी प्रदर्शन नहीं करेंगे, कभी पिटेंगे नहीं, कभी जेल नहीं जाएंगे, बल्कि वे हमें जेल भेज देंगे। उन्होंने आगे कहा कि आरएसएस आम तौर पर तीन चीजों पर ध्यान केंद्रित करता है-पर्चे बांटना, चर्चाएं आयोजित करना और अंत में आंदोलन पर होने वाला खर्च। अगर आप उनसे लड़ना चाहते हैं, तो उन्हें उनके ही खेल में हराएं, बेशक, शारीरिक रूप से नहीं बल्कि बौद्धिक रूप से।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीनी स्तर पर संगठनात्मक नेटवर्क के अभाव में विरोध प्रदर्शन प्रभावी साबित नहीं होंगे। उन्होंने बूथ से लेकर जिले तक तीन स्तरों पर आंदोलन करने का सुझाव दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि संघ की कार्यप्रणाली और दुष्प्रचार को समझकर उसका प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सिंह ने राज्य चुनावों में कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की और कहा कि पार्टी फिलहाल इस असफलता के कारणों का विश्लेषण कर रही है।

सिंह ने कहा कि भाजपा ने दावा किया था कि वह लोकसभा चुनावों में 400 सीटें हासिल करेगी, लेकिन वह 250 सीटें भी हासिल नहीं कर सकी। उन्होंने भाजपा को मिले बहुमत का श्रेय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के समर्थन को दिया। इसके अलावा, सिंह ने नीट प्रश्नपत्र लीक कांड के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी की आलोचना की और सवाल किया कि परीक्षा रद्द क्यों नहीं की गई। इसके अतिरिक्त, सिंह ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार के विभिन्न आरोप भी लगाए।

हरियाणा में नाबालिग बच्चे को खिलाया नशीला बिस्किट, हालत बिगड़ी

सिरसा : गांव खारियां से एक नाबालिग बच्चे को बिस्किट के साथ नशीला पदार्थ खिलाने का मामला सामने आया है। बच्चे का स्वास्थ्य बिगड़ने से परिजनों ने उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रानियां में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टर ने बच्चे की हालात की गंभीरता को देखते हुए सरसा रैफर कर दिया। गांव खारियां निवासी रामनिवास ने बताया कि उसका 11 वर्षीय लड़के विवेक राजकीय स्कूल खारियां में पढ़ता है। बुधवार को गांव में मेला लगा हुआ था, उसी दौरान विवेक को दो-तीन लड़कों ने पार्क में ले जाकर नशीला बिस्किट खिला दिया। जिसके बाद विवेक के घर आते ही उसका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। जिसके बाद उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रानियां में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टर ने उसे सरसा भेज दिया गया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिक्तिसक ने बताया कि बच्चे को प्राथमिक उपचार देकर उसके स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए सरसा रैफर कर दिया है, हालांकि बच्चे की हालात पहले से कुछ ठीक है।

हरियाणा में 6 साल की बच्ची की वाटर पार्क में डूबने से मौत, पिता का आरोप- स्कूल और वाटर पार्क की लापरवाही

पानीपत। पानीपत में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। जहां 6 साल की एक बच्ची की वाटर पार्क में डूबने से मौत हो गई। बच्ची का नाम हितेशी जैन था, जो संजय कॉलोनी गली नंबर-1 की रहने वाली थी। बच्ची स्कूल के शिक्षक व अन्य बच्चों के साथ घूमाने के लिए सौंदापुर में बने किंगलैंड वाटर पार्क में गई थी। जहां ये हादसा हो गया। बच्चे जब वाटर पार्क में खेल रहे थे, तभी हितेशी संदिग्ध परिस्थितियों में डूब गई। काफी समय बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया और वह बेहोश थी। उसे तुरंत पास के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बेटी की मौत स्कूल और वाटर पार्क की लापरवाही : पिता

हितेशी के पिता, राजेश जैन ने पुलिस को शिकायत दी है कि उनकी बेटी की मौत स्कूल और वाटर पार्क की लापरवाही के कारण हुई है। राजेश जैन ने बताया कि उनकी तीन बेटियां हैं और सभी जीडी पब्लिक स्कूल में पढ़ती हैं। गुरुवार को स्कूल ने बच्चों को किंगलैंड वाटर पार्क, असंध रोड पर टूर पर ले गए थे। इस टूर के लिए स्कूल ने प्रति बच्चा 600 रुपए लिए थे।

टीचर्स के साथ टूर पर गई हितेशी

हितेशी की 13 वर्षीय बहन हर्षा ने बताया कि वह अपनी मां अमिता और स्कूल की प्रिंसिपल सुदेश समेत 5 अन्य टीचर्स के साथ टूर पर गई थी। उस समय वाटर पार्क में 15 लाइफ गार्ड भी मौजूद थे। हर्षा ने कहा कि जब वह वॉशरूम गई हुई थी, तभी यह हादसा हुआ। वापस आने पर उसने देखा कि कुछ लोग हितेशी का पेट दबा रहे थे। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधिकारी योगेश ने बताया कि वाटर पार्क के संचालक श्रीनिवास के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (1) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि नहाते वक्त बच्ची पर ध्यान नहीं दिया गया, जिसके चलते वह डूब गई।

ट्रेन में लूट का विरोध करना यात्रियों को पड़ा भारी, चाकू से हमला कर बदमाश हुए फरार

अंबाला । ट्रेन में यात्रियों से लूटपाट, छीना-झपटी और सामान चोरी की वारदातें दिनों दिन बढ़ती जा रही हैं। देर शाम भी 2 यात्रियों से लूट का प्रयास हुआ। जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। घटना अंबाला से दुखेड़ी रेलवे स्टेशन के बीच देर शाम की है। हमले में घायल दोनों यात्रियों को आनन-फानन में अम्बाला कैंट सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका उपचार जारी है। बता दें कि शहीद एक्सप्रेस ट्रेन अमृतसर से जयनगर जा रही थी। जब ट्रेन अम्बाला से कुछ दूर ही पहुंची तो इसी दौरान ट्रेन में ही तीन युवकों ने दो युवकों से लूट का प्रयास किया। जब दोनों युवकों ने विरोध किया तो तीनों आरोपी युवकों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी भाग गए। इसी बीच किसी तरह ट्रेन को किसी ने रुकवाया। सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम पोस्ट बराड़ा से मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान मूल रूप से गोरखपुर निवासी, हाल लुधियाना निवासी संदीप व संजय के रूप में हुई। संदीप को हमले में पेट पर ज्यादा चोट आने पर उसे चंडीगढ़ रेफर किया गया है। वहीं संजय के हाथ पर चोट लगी है। घायलों ने बताया कि शाम को वह ढंढारी कलां रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार हुए थे और गोरखपुर जा रहे थे। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और घायलों के ब्यान पर बदमाशों की तलाश की जा रही है।

23 जुलाई तक चलेगी पुलिस पीएमटी, 5 हजार पदों पर होगी नियुक्ति...जानिए क्या है पूरी प्रक्रिया

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने कहा कि हरियाणा पुलिस में सिपाही पुरुष (सामान्य ड्यूटी) के 5 हजार पदों के लिए कुल 8 गुणा उम्मीदवार शारीरिक मापदंड परीक्षा (पीएमटी) देंगे। पहले चरण में 6 गुणा उम्मीदवारों का शेड्यूल जारी किया गया है, जिसके अनुसार, 16 जुलाई, 2024 से जिला पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवीलाल खेल परिसर में पीएमटी शुरू हो चुकी है, जो 23 जुलाई तक चलेगी। पहले दिन 2 हजार उम्मीदवारों को बुलाया गया था, जबकि 18 जुलाई से प्रतिदिन 5-5 हजार उम्मीदवारों को पीएमटी के लिए बुलाया जाएगा। हिम्मत सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 8 गुणा के हिसाब से लगभग 40 हजार से अधिक उम्मीदवारों की पीएमटी होगी। इसके बाद सिपाही महिला (सामान्य ड्यूटी) के 1 हजार पदों के लिए भी पीएमटी की शेड्यूल जारी किया जाएगा। इनमें भी पदों की संख्या की तुलना में 8 गुणा उम्मीदवारों को पीएमटी के लिए बुलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पीएमटी में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है और इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि किसी उम्मीदवार की जगह कोई और व्यक्ति पीएमटी देने न आया हो। आयोग का प्रयास है कि परीक्षा देने आने वाले उम्मीदवार पूरी तरह से संतुष्ट होकर जाएं। हर उम्मीदवारों को प्रवेश के बाद कद-काठी की न्यूनतम पात्रता की डिस्पले स्लिप दी जाती है। उम्मीदवार द्वारा अपना नाम, पिता का नाम और उसे दिया गया चेस्ट नंबर बताना होता है, इस दौरान उम्मीदवार की आवाज की रिकॉर्डिंग की जाती है। इसके बाद, तीन अलग-अलग जगह पर उम्मीदवारों की बायोमेट्रिक और आई स्कैनिंग भी की जाती है। उम्मीदवारों की संतुष्टि के लिए 20 डिजिटल मापदंड स्टैंड लगाए गए है। हर स्टैंड पर खेल विभाग के कोच व अन्य विशेषज्ञों की ड्यूटी लगाई गई है। डिजिटल स्टैंड पर अभ्यर्थी अपने कद, काठी की जानकारी स्वयं डिस्पले बोर्ड पर देख सकते है। मापदंड के समय यदि किसी उम्मीदवार को नॉट-क्वालीफाई घोषित किया जाता है, तो वह मौके पर ही अपील कर सकता है। अपील सुनने के लिए अलग से विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। अपील के बाद यदि अधिकारियों को उचित लगता है तो उम्मीदवार को पुन: मापदंड की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

शाह के हिसाब पर हुड्डा का जवाब...चारों खाने चित हुई भाजपा, कहा-जहां थी गृहमंत्री की रैली वो यूनिवर्सिटी हमने बनवाई

रोहतक (एजेंसी)। हरियाणा की सियासत में इस समय हिसाब शब्द छाया हुआ है। भाजपा कांग्रेस से 10 वर्षों का हिसाब मांग रही है तो वहीं कांग्रेस भाजपा से 10 वर्षों का हिसाब मांग रही है। अगामी विधानसभा चुनाव की आहट से सियासी पारा एक फिर से आसमान छू रहा है। दोनों तरफ से ताबड़तोड़ जुबानी हमला हो रहा है। पिछले दिनों महेंद्रगढ़ रैली को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा से 10 वर्षों का हिसाब मांगा था। अब शाह पर हुड्डा ने करारा पलटवार किया है।

हुड्डा ने गृहमंत्री पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के लोग हमारे ऊपर यह आरोप लगाते हैं कि 10 साल के शासनकाल में हमने कुछ नहीं किया, जबकि अमित शाह महेंद्रगढ़ में जिस रैली को संबोधित करने आए वह रैली भी सेंट्रल यूनिवर्सिटी में हुई थी, जिसको हमने ही बनाया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा रोहतक स्थित अपने आवास पर एक पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। यही नहीं उन्होंने तो केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का भी धन्यवाद कर दिया।

उनका कहना था कि मेरठ से राजस्थान तक जाने वाले हाईवे को मौजूदा सरकार ने तो रद्द करने की मांग तक की थी। लेकिन नितिन गडकरी ने उसे प्रोजेक्ट को पूरा किया, जिसकी हमने शुरुआत की थी। मौजूदा सरकार बताएं कि भाजपा सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए क्या किया है। प्रदेश में जो राष्ट्रीय राजमार्ग मौजूदा सरकार ने बनाए हैं उनका काम भी कांग्रेस सरकार के दौरान शुरू हुआ था।

साथ ही उन्होंने कहा कि पानी हरियाणा की अलग राजधानी, अलग हाई कोर्ट तथा चंडीगढ़ पर हरियाणा के हक की आवाज में उठाते रहेंगे और पानी के लिए तो वह खुद भी मनोहर लाल खट्टर के साथ केंद्र सरकार से मिले हैं। लेकिन कोई समाधान निकाल नहीं पाया है। आम आदमी पार्टी के गठबंधन को लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने जवाब दिया कि केंद्रीय स्तर पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का गठबंधन है।लेकिन हरियाणा को लेकर गठबंधन की कभी पहले भी चर्चा नहीं हुई है।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस प्रतिपक्ष नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम को भारी जन समर्थन मिल रहा है, यह तय है कि हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम हिसाब मांग रहे हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा सरकार के पास कोई भी जवाब नहीं है। जिस रैली में खड़े होकर अमित शाह मुझसे 10 साल के काम का हिसाब मांग रहे थे।

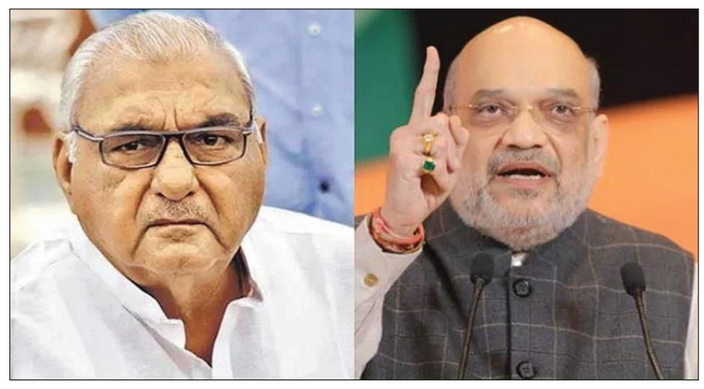

'आम आदमी पार्टी अब जमानत जप्त पार्टी हो गई है'... अनिल विज ने 'आप' पर कसा तंज

अंबाला । हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन से नाता तोड़ दिया है, जिसे लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी सर्वे में नहीं आती बल्कि सीधा सरकार बनाती हैं, जिस पर तंज कसते हुए हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि आप पार्टी अब देश में जमानत जप्त पार्टी बन गई है। दिल्ली से भी लोगों ने इन्हें उखाड़ दिया है, पंजाब में भी उन्हें मनमनचित नतीजे नहीं मिले है। हरियाणा में भी इन्होंने अपना उम्मीदवार खड़ा किया था, जो बुरी तरह हार गया। विज ने कहा कि आम आदमी पार्टी अब गई हुई चीज हो गई है, जिन मुद्दों को लेकर ये लड़े थे आज वो सब उल्टा हो रहा है।

बता दें कि हरियाणा में इन दिनों कांग्रेस 'हरियाणा मांगे हिसाब' अभियान चलाए हुए है। इस दौरान सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने अपने एक बयान में कहा कि हरियाणा सरकार घोषणावीर बन रही है, ÷काम चवन्नी का और गिनवा दस रही है÷ जिस पर पलटवार करते हुए विज ने दीपेंद्र हुड्डा से सवाल करते हुए कहा कि वे बताए क्या सिर्फ 25त्न लोगों को ही पेंशन मिल रही है या 25त्न लोगों तक ही सभी सेवाएं पहुंच रही है। विज ने कहा कि भाजपा के राज में एक-एक पैसा खाते में जाता है और कांग्रेस के राज में ये जब ऊपर से जाता था। अगर 100 रुपए आते थे तो नीचे तक 15 रह जाते थे, ये कांग्रेस का आजादी के बाद का बनाया हुआ सिस्टम था, जिसे भाजपा ने बदला और इसी बात की कांग्रेस को तकलीफ है, क्योंकि इनकी रोजी रोटी इसी से चलती थी।

वहीं केजरीवाल के वकील ने कहा कि ÷केजरीवाल सीएम है, आतंकवादी नहीं÷, वे जेल ने बाहर न आए इस लिए उन्हें दूसरे केस में गिरफ्तार किया गया है। जिस पर तंज कसते हुए विज ने कहा कि उनक बाहर आना न आना कोर्ट पर निर्भर करता है। अगर उन्हें जमानत नहीं मिल रही इसका मतलब कि उनके खिलाफ ठोस सबूत है।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नहीं खुला शंभू बॉर्डर, एडवोकेट उदय प्रताप सिंह ने मुख्य सचिव को भेजा अवमानना नोटिस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब सीमा के शंभू बॉर्डर को खोलने का आदेश नहीं मानने पर याचिकाकर्त्ता एवं अधिवक्ता उदय प्रताप सिंह की ओर से हरियाणा के मुख्य सचिव को अवमानना नोटिस भेजा गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने विगत 10 जुलाई को जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया था कि एक सप्ताह के भीतर हरियाणा सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग पर की गई बैरिकेडिंग हटाए। इस आदेश की समय अवधि 17 जुलाई को पूरी हो गई थी और आदेश नहीं मानने पर वीरवार को मुख्य सचिव टी. वी. एस. एन. प्रसाद को नोटिस भेजा गया है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद कानून व्यवस्था खराब होने की दलील देते हुए हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उस पर सुनवाई दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को सही बताते हुए याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद एक और एस.एल.पी. सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई जिस पर 22 जुलाई को सुनवाई होनी है। मुख्य सचिव को भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि याची उदय प्रताप सिंह ने हाईकोर्ट को बताया था कि शंभू बॉर्डर पर राष्ट्रीय राजमार्ग को कई दिनों से बंद किया हुआ है। इसके चलते लोगों के लिए यातायात सुचारु नहीं चल पा रहा है।

हाईकोर्ट शुरू करेगी अवमानना की कार्रवाई

मुख्य सचिव को भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि अगर 15 दिन में हाईकोर्ट के शंभू बॉर्डर खोलने के आदेश की पालना नहीं की जाती है तो इसके बाद सभी संबंधित अधिकारियों के खिलाफ हाईकोर्ट में अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएगी। यह नोटिस हाईकोर्ट के आदेश के न्याय के लिए जारी किया गया है, क्योंकि इस आदेश पर सुप्रीम बाद कोर्ट ने न तो रोक लगाई है और न ही इसमें बदलाव किया है। ऐसे में राज्य इस आदेश को मानने के लिए बाध्य है।

पीएम मोदी से मिलने प्रधानमंत्री आवास पहुंचे सीएम सैनी, सूबे में बढ़ी सियासी हलचल... चर्चाओं का बाजार गर्म

नई दिल्ली। हरियाणा भाजपा के नेताओं की इस दिल्ली आवागमन बढ़ गया है। इस बीच मुख्यमंत्री नायब सैनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने दिल्ली पहुंचे है। सीएम और प्रधानमंत्री की मुलाकात पीएम आवास में चल रही है। बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सूबे में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। बीते दिनों गृहमंत्री अमित शाह हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में आए थे। यहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की मीटिंग की थी।

इसके कल शाम को भी हरियाणा भाजपा नेताओं की बैठक दिल्ली भाजपा मुख्यालय में हुई थी। इस बैठक की भाजपा राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष ने की थी। वहीं हरियाणा भाजपा की तरफ से बैठक प्रदेश प्रभारी सतीश पुनिया, प्रदेशाअध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और हरियाणा भाजपा संगठन मंत्री शामिल थे।

सिलसिलेवार इन बैठकों को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। चर्चा है कि हरियाणा भाजपा के नेता लोकसभा चुनाव के दौरान भीतरघात में शामिल नेताओं की रिपोर्ट आलाकमान तक पहुंचा रहे हैं। इसके साथ ही विपरीत परिस्थितियों में सूबे में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने को लेकर भाजपा रणनीति बना रही है।

हरियाणा में 21 और 22 को जमकर बरसेंगे मेघ, भारी बारिश की चेतावनी

चंडीगढ़ । हरियाणा में मानसूनी हवाएं एक बार फिर जोर पकड़ रही हैं। हवाओं के सक्रिय होने से वीरवार को 10 जिलों में बारिश देखने को मिली, जबकि उत्तर और दक्षिण हरियाणा में आज भी बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हरियाणा में 5 दिन तक मानसून सक्रिय रहेगा और 21 और 22 को पूरे हरियाणा में भारी बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं मानसून के बीच लोग उमस और गर्मी से बेहाल हैं। हरियाणा में मानसून का कोटा अभी पूरा नहीं हुआ है। जुलाई तक राज्य में 138 स्रूबारिश होती है, लेकिन अभी तक 90.3 स्रूही हुई है, जो कि 35 फीसदी कम आंका गया है। हरियाणा के 17 जिलों में कम बारिश हुई है। इनमें से 11 जिलों में सामान्य से कम और 6 जिलों में सबसे कम बारिश हुई है। 3 जिलों में सामान्य से अधिक और 2 जिलों में सामान्य बारिश हुई है।

हरियाणा में 5 दिन तक बारिश का येलो अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने अगले पांच दिन तक प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। अगले पांच दिन में उत्तर हरियाणा के हर जिले में बारिश हो सकती है। वहीं 21 और 22 जुलाई को पूरे प्रदेश में बारिश हो सकती है।

जींद को दिल कहते थे देवीलाल... दिल को रखेंगे हमेशा मजबूत, बीजेपी की बी टीम को लेकर सुनैना ने कह दी बड़ी बात

जींद। हरियाणा विधानसभा चुनाव का को लेकर तैयारियां जोरों पर है। लोकसभा चुनाव के बाद इनेलो नेता सुनैना चौटाला विधानसभा की तैयारियों में जुटी हैं। इस दौरान जुलाना से विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने गोल मटोल जवाब दिया। सुनैना पार्टी गाइडलाइन को फॉलो करते हुए कहा कि पार्टी जहां से चाहेगी वहां से चुनाव लड़ूंगी। हालांकि उनके जवाब से यह जरूर स्पष्ट हो गया है कि वह विधानसभा के चुनावी मैदान उतरेंगी जरूर, लेकिन अखाड़ा तय नहीं है।

वहीं उन्होंने अगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर कहा कि इनोलो कार्यकर्ता व इनेलो हमेशा पूरे दमखम से चुनाव लड़ती है। इसके साथ ही गठबंधन को लेकर सुनैना चौटाला ने कहा कि इनेलो और बसपा के गठबंधन से किसान व कमेरा वर्ग एक हुआ है।

इसके साथ ही लोकसभा चुनाव को लेकर सुनैना ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि करनाल लोकसभा चुनाव कांग्रेस ने मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ कमजोर उम्मीदवार उतारा, नहीं तो नतीजा कुछ और होता। इससे पता चलता है कि भाजपा की भी टीम कौन है।

कांग्रेस के साथ ही सुनैना जजपा को अभी आड़े हाथों लिया। उन्होंने दुष्यंत के जनता के साथ वादाखिलाफी की। इसीलिए लोकसभा चुनाव में जेजेपी पार्टी को किसी गांव में गुसने नहीं दिया गया, जिसका खामियाजा जेजेपी भुगत रही है। इनेलो नेत्री ने कहा कि चौधरी देवीलाल ने एक बात कही थी कि कोई वादा करो तो उसे पूरा करो, अगर न कर सको तो वादा ही मत करो। अभय चौटाला उसी लाइन पर चलते हैं जो बात कहते हैं उसको पूरा करते हैं। जींद को लेकर सुनैना ने कहा कि जींद ने हमेशा इनेलो का साथ दिया है और देवीलाल जी जींद को दिल कहते थे और हम इस दिल को हमेशा मजबूत रखेंगे।

राव दान पर ईडी की कार्रवाई को लेकर बोले सीएम सैनी, हमारी कोई भूमिका नहीं, कानून का अपना विषय; हुड्डा पर भी साधा निशाना

करनाल। कांग्रेस नेता और विधायक राव दान सिंह के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी के बाद करनाल पहुंचे सीएम सैनी ने कहा कि यह कानून का अलग मामला है। ईडी को जहां भी गलत गतिविधियों का शक होता है, वहां कार्रवाई करती है। सीएम सैनी ने कहा कि ईडी एक स्वतंत्र एजेंसी है जो कई चीजों का ध्यान रखती है। इसमें हमारी कोई भूमिका नहीं है।

अब रोटी खाने का क्या फायदा, जब चिड़ियां चुग गई खेत- सीएम सैनी

दीपेंद्र हुड्डा के 'हरियाणा मांगे हिसाब' अभियान पर सीएम सैनी ने टिप्पणी की कि उन्होंने 11 सवाल पूछे हैं और दीपेंद्र हुड्डा को उनका जवाब देना चाहिए। हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के बीच बैठकर खाना खाने से कुछ नहीं होगा, बल्कि उन्हें अपने कार्यकाल की याद दिलानी चाहिए। सीएम ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा को समझना चाहिए कि अब रोटी खाने का क्या फायदा, जब चिड़ियां चुग गई खेत।

कांग्रेस और 'आप' पर साधा निशाना

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए सीएम सैनी ने कहा कि दोनों पार्टियां एक ही पंख की चिड़िया हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां झूठ बोलती हैं और झूठ की राजनीति करती हैं।

वहीं सतलुज के पानी को लेकर दायर जनहित याचिका पर सैनी ने कहा कि पानी की जरूरत है और हमारे हरियाणा में लाखों एकड़ जमीन उस पानी का इंतजार कर रही है। कुछ लोग वादे तो करते हैं लेकिन अपने वादों से मुकर जाते हैं। हरियाणा की जनता अच्छी तरह समझती है कि कौन दो चेहरे लेकर घूम रहा है।

कांग्रेस के खिलाफ गांव-गांव जाकर हिसाब देंगे

सीएम सैनी ने कहा कि अमित शाह ने निर्देश दिए हैं कि कांग्रेस द्वारा फैलाई जा रही भ्रामक प्रचार का जवाब गांव-गांव जाकर देंगे। उन्होंने कहा हम अपना हिसाब हर गांव में जाकर देंगे और कांग्रेस को भी अपना हिसाब देना चाहिए।

ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज सामाजिक संगठन तथा आप और हम सामाजिक संस्था ने गांव रामखेड़ी में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर गांव में 1200 पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा

01.मुख्य अतिथि के रूप में आए पदाधिकारियों ने कहा की एक पेड़ मां के नाम का नारा दिया

02.कार्यक्रम में कहा कि पेड़ को लगाने के बाद उसको बचाने के लिए मेहनत करनी चाहिए

संस्कार उजाला

अजय सैनी सहारनपुर राम खेड़ी तहसील बेहट क्षेत्र की ग्राम पंचायत रामखेड़ी में स्थित डी सी एस एम इंटर कॉलेज में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ओमपाल सैनी पेड़ों से हमें निशुल्क ऑक्सीजन प्राप्त होती है और पेड़ हमेशा किसी के साथ में भेदभाव नहीं करते वह सबको समान रूप से अपने स्तर से सहयोग करते हैं किसी को फल के रूप में किसी को वनस्पति के रूप में किसी को दवाइयो के रूम में किसी को छाया के रूप में आदि सुविधा देते है कार्यक्रम में ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के प्रदेश संगठन मंत्री अशोक सैनी ने कहा की वृक्ष ही एक ऐसा

माध्यम जिससे वातावरण को सुंदर बनाया जाता है और निशुल्क ऑक्सीजन प्राप्त की जाती है उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन की अनमोल कड़ी है जिसको तोड़ दिया तो हमारा जीवन नष्ट हो जाएगाडीसीएसएम इंटर कॉलेज के प्रबंधक मास्टर ऋषिपाल सैनी ने स्कूल के सभी बच्चो को प्रेरित करते हुए कहा की सभी बच्चों को अपने मां के नाम एक एक पेड़ लगाना चाहिए जिससे उनकी मां की यादें उनसे जुड़ी रहे और उन पेड़ों का लालन-पालन इस तरह करना चाहिए जिस तरह आपकी माताजी अपने बच्चों का करती हैराष्ट्रीय सचिव विक्रम सिंह सैनी ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि बच्चों के द्वारा लगाए गए पेड़ अगले वर्ष तक अच्छा पाया गया तो उनको संगठन की तरफ से सम्मानित भी किया जाएगा इस दौरान फलदार वृक्ष तथा छायादार वृक्ष एवं इमारती लकड़ी के साथ ही आयुर्वेदिक दवाइयो के पेड़ लगाने के लिए कार्य किया कार्यक्रम को संदीपा सैनी कौशल सैनी सुनीता सैनी ऋतु सैनी आदि ने भी बच्चों को वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित करते हुए संबोधित किया इस दौरान प्रधानाचार्य उषा देवी संदीप सैनी डॉक्टर संजय सैनी नरेश सैनी मैनपाल सैनी तथा अजय सैनी व स्कूली छात्र-छात्राएं एवं समस्त स्टाफ आदि मौजूद रहे

संक्षिप्त डायरी

निरीक्षक योगेश कुमार एवम हेड कांस्टेबल रविन्द्र कुमार का माल्यार्पण कर दी भावभीनी विदाई

01.थाना तीतरो के निरीक्षक योगेश कुमार एवम हेड कांस्टेबल रविन्द्र कुमार का स्थानांतरण मेरठ जनपद में हो जाने के बाद विदाई समारोह हुआ सम्पन्न

02 .अपनी अच्छी कार्यशैली से निरीक्षक योगेश कुमार एवम हेड कांस्टेबल रविन्द्र कुमार ने हमें अपना मुरीद बना लिया था :संजीव शर्मा

संस्कार उजाला

सहारनपुर तीतरो थाना तीतरों के निरीक्षक योगेश कुमार एवम हेड कांस्टेबल रविन्द्र कुमार का मेरठ जनपद स्थानांतरण हो जाने के बाद थाना परिसर में निरीक्षक एवम हेड कांस्टेबल के गले में माल्यार्पण कर दी भावभीनी विदाई ।इस मोके पर थाना तीतरों प्रभारी संजीव शर्मा ने कहा,कि अपनी अच्छी कार्यशैली से निरीक्षक योगेश कुमार एवम हेड कांस्टेबल रविन्द्र कुमार ने एक मुझे ही नहीं बल्कि पुरे थाना स्टाफ को अपना मुरीद बना लिया था,जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता ।इस मोके पर थाने के निरीक्षक योगेश कुमार ने कहा,कि जो प्यार एवम अपनापन हमे थाना स्टाफ से मिला वह कभी भी भुलाया नहीं सकता,हम आपको हमेशा याद करते रहेंगे ।इस मोके पर हेड कांस्टेबल रविन्द्र कुमार ने कहा,कि तीतरों थाने में मेरा समय बहुत अच्छा बीता, उन्होंने सभी का दोनों हाथ जोड़कर धन्यवाद अदा किया ।इस विदाई समारोह के मोके पर थाना स्टाफ के साथ साथ क्षेत्रीय लोग भी रहे मौजूद

राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज में मेधावी एवं अनुशासन में सर्वश्रेष्ठ बच्चों को पुरस्कार किया गया

संस्कार उजाला

अभिषेक सिंह सहारनपुर छुटमलपुर राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज के आधार स्तम्भ कृपाल सिंह कोहली के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृपाल सिंह कोहली के सुपुत्र ग्रुप प्रीत सिंह कोहली का आगमन हुआ इस अवसर पर गुरप्रीत सिंह कोहली ने अपने पिताजी के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर उनके साथ-साथ कॉलेज प्रबंधन समिति के सभी सदस्य गण, कॉलेज स्टाफ एवं बच्चों द्वारा भी माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में गुरप्रीत सिंह कोहली के द्वारा सत्र 2023-24 के मेधावी छात्र-छात्राओं एवं अनुशासन में सर्वश्रेष्ठ छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। हाई स्कूल बोर्ड की परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ व अनुशासन में सर्वश्रेष्ठ तीन छात्राओं का चयन किया गया जिसमें वैष्णवी,कननू,शिवांगी का चयन करते हुए गुरप्रीत सिंह कोहली द्वारा तीनों छात्राओं की इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई का पूरा खर्च वहन करने की घोषणा करते हुए, स्वर्गीय कृपाल सिंह कोहली फाउंडेशन द्वारा छात्रवृत्ति स्वरूप चेक भी कॉलेज प्रबंधन समिति को प्रदान किया। इस अवसर पर कालेज के प्रबंधक

भूपेंद्र सिंह राणा, प्रबंध समिति के सभी पदाधिकारी गणों द्वारा कृपाल सिंह कोहली के जीवनकाल से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं और उनके द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों पर चर्चा की गई। इस विशेष कार्यक्रम में राव सम्मून, नवीन चौधरी, विपिन गोयल, राजेश शर्मा, सुशांत धीमान समस्त कॉलेज स्टाफ प्रधानाचार्य अलका शर्मा, मनपाल सिंह, दीपक कुमार, मांगेराम, जगमोहन, सुरेंद्र चौधरी, सांस्कृतिक प्रभारी अनुप्रिया एवंम कॉलेज के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों का संचालन व आवागमन 03 अगस्त तक प्रतिबंध

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल ने अवगत कराया कि श्रावण मास में कांवड़ यात्रा प्रारम्भ होने के कारण कांवडियों व श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये जनपद में संचालित समस्त स्टोन क्रेशरों से जाने वाले एवं अन्य जनपदों व राज्यों से आने वाले उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों का संचालन व आवागमन जनपद में दिनांक 20 जुलाई की मध्यरात्रि से 03 अगस्त की मध्यरात्रि तक पूर्णत: निषेध / प्रतिबन्धित किया जाता है।

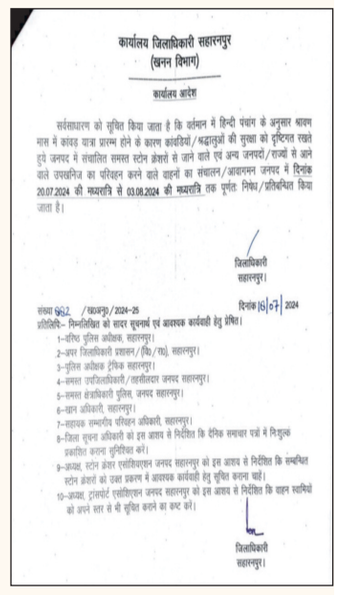

कार्यालय जिलाधिकारी सहारनपुर
(खनन विभाग)

कार्यालय आदेश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में हिन्दी पंचांग के अनुसार श्रावण मास में कांवड़ यात्रा प्रारम्भ होने के कारण कांवडियों/श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये जनपद में संचालित समस्त स्टोन क्रेशरों से जाने वाले एवं अन्य जनपदों/राज्यों से आने वाले उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों का संचालन/आवागमन जनपद में दिनांक 20.07.2024 की मध्यरात्रि से 03.08.2024 की मध्यरात्रि तक पूर्णतः निषेध/प्रतिबन्धित किया जाता है।

जिलाधिकारी
सहारनपुर।

संख्या 682 /ख0अनु0/2024-25 दिनांक 18/07/2024

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर।
2-अपर जिलाधिकारी प्रशासन/(वि0/रा0), सहारनपुर।
3-पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक सहारनपुर।
4-समस्त उपजिलाधिकारी/तहसीलदार जनपद सहारनपुर।
5-समस्त क्षेत्राधिकारी पुलिस, जनपद सहारनपुर।
6-खान अधिकारी, सहारनपुर।
7-सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, सहारनपुर।
8-जिला सूचना अधिकारी को इस आशय से निर्देशित कि दैनिक समाचार पत्रों में निःशुल्क प्रकाशित कराना सुनिश्चित करें।
9-अध्यक्ष, स्टोन क्रेशर एसोसियेशन जनपद सहारनपुर को इस आशय से निर्देशित कि सम्बन्धित स्टोन क्रेशरों को उक्त प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचित कराना चाहें।
10-अध्यक्ष, ट्रांसपोर्ट एसोशिएशन जनपद सहारनपुर को इस आशय से निर्देशित कि वाहन स्वामियों को अपने स्तर से भी सूचित कराने का कष्ट करें।

जिलाधिकारी
सहारनपुर।

समाज में व्याप्त बुराइयों का खात्मा कर गुरुमार्ग पर चले. राजकुमार दास ब्रह्मचारी

संतो का सम्मान सर्वोपरी, साहित्य से छेड़छाड़ बर्दाश्त नही. एसडी गौतम

सस्कार उजाला

सहारनपुर /छुटमलपुर छुटमलपुर. अखिल भारतीय संत शिरोमणी सतगुरु रविदास मिशन के तत्वाधान में सतगुरु स्वामी समनदास जी महाराज को मानकर मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जी महाराज सतगुरु स्वामी समनदास जी महाराज के श्री चरणों में आरती वंदना से किया गया। सत्संग में प्रवचन करते हुए आश्रम प्रबंधक महात्मा श्री राजकुमार दास ब्रह्मचारी जी महाराज ने फरमाया कि सतगुरु अजर अमर अविनाशी है जो पल पल जन जन के ह्रदय में विराजमान है जिनके बताए मार्ग पर चलकर आज मानव जीवन सफलता की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने सभी से शिक्षित होकर अंधविश्वास व गंदे खानपीन से दूर हटकर समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने और गुरु गद्दी उन व शुक्रताल में निमार्णाधीन कार्य में सहयोग करने की बात कही। मुख्य अतिथि के तौर पर पत्रकार एसडी गौतम ने सतगुरु रविदास जी महाराज के साहित्य से छेड़छाड़ करने वालो को चेताते हुए कहा कि इस प्रकार के कृत्य बर्दाश्त नही होगे, क्योंकि सभी प्रचारकों व आश्रम पर सेवारत संतो का सम्मान सर्वोपरी है। उन्होंने सभी से मानवतावादी मार्ग पर चलकर गुरुघरो में सेवा करने की बात कही। कार्यक्रम में मोहर सिंह, सतीश दास व पुष्पेंद्र रविदासी ने भी विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन मास्टर विपिन कुमार व परविंदर रविदासी ने संयुक्त रूप से किया ।इस दौरान महात्मा कंवरपाल दास, महा. सरजीत दास, आचार्य सुंदरलाल, अशोक रावत, अनिल दास, इंजीं० हर्षवर्धन, राजपाल दास, अरविंद डाबरा, लोकेश कुमार, डॉ० मेघराज, पंकज रविदासिया, अनिल केशव, डॉ० अमन कुमार, सागर पटेल, संजय सोलंकी, अनिल बहादुरगढ़, पूर्णचंद, जोगेंद्र सिंह, मनीष पटेल, पूजा, सीमा व रीना समेत सैकड़ो अनुयाई मौजूद रहे।

पिछडा वर्ग पूर्वदशम, दशमोत्तर एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं के लिए छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए समय सारणी जारी

छात्रवृत्ति के लिए **http://scholar-ship.up.gov.in** पर करें ऑनलाइन आवेदन

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी दीपिका परिहार ने अवगत कराया कि प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त जनपद के हाईस्कूल, इण्टर, डिग्री कालेज, तकनीकी, व्यवसायिक व अन्य शैक्षिक संस्थानों एवं उनमें अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं को वर्ष 2024-2025 हेतु प्रदेश सरकार द्वारा संचालित पिछडी जाति पूर्वदशम कक्षा 9-10 एवं दशमोत्तर कक्षा 11-12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं के लिए छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत विभाग/शासन द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार छात्रवृत्ति पोर्टल पर छात्र/छात्राओं द्वारा आवेदन एवं विद्यालय स्तर से डाटा अग्रसारण की समय सीमा जारी की गई है। श्रीमती दीपिका परिहार ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पिछडी जाति पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 9-10 एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 के लिए 20 जुलाई से 20 अक्टूबर 2024 तक आनलाईन आवेदन किए जाएंगे। पिछडी जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्कप्रतिपूर्ति के लिए कक्षा 11-12 को छोडकर 20 जुलाई से 20 नवम्बर तक छात्र एवं छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन किया जाना। उन्होंन बताया कि आवेदन करने वाला छात्र उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए। छात्र एवं छात्राओं के माता-पिता या अभिभावक की सकल वार्षिक आय 02 लाख तक होनी चाहिए। छात्रवृत्ति आवेदन हेतु http://scholar-ship.up.gov.in पर आवेदन करें। अन्य किसी माध्यम से आवेदन स्वीकार्य नही होगें।

लोजपा(आर) प्रदेश अध्यक्ष का नगर आगमन पर हुआ जोरदार स्वागत पार्टी की मजबूती को सदस्यता अभियान चलायेंगे: पवन कुमार वर्मा

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर। लोजपा(आर) के प्रदेश अध्यक्ष (प.उ.प्र.) पवन कुमार वर्मा के आज नगर आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्थानीय देहरादून रोड स्थित पी.डब्ल्यू.डी. सर्किट हाऊस में फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत अभिनन्दन किया। प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने के लिए वे प्रत्येक जिले का भ्रमण कर रहे हैं, जिसकी शुरूआत आज सहारनपुर से की गयी है। संगठन मजबूती के लिए सदस्यता अभियान चलाया जायेगा तथा गांवों में ग्रामीण चौपाल भी लगायेंगे ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी जा सके। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संगठन में निष्क्रिय लोगों के लिए कोई

जगह नहीं है। किसी भी संगठन की रीढ़ उसके कार्यकर्ता होते हैं, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखा जायेगा। कार्यकर्ता किसी भी समय उनसे अपनी समस्या के लिए सीधे सम्पर्क कर सकता है, उसका समाधान कराया जायेगाश्री वर्मा ने इस अवसर पर सुरेन्द्र कुमार बौद्ध को लोजपा(आर) का प्रदेश सचिव (पश्चिमी उ.प्र.) का मनोनयन पत्र सौंपते हुए उन पर विश्वास जताया और कहा कि श्री बौद्ध एक निष्ठावान व कर्मशील व्यक्तित्व हैं, उनके मनोनयन से पार्टी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मजबूती मिलेगी। अपने मनोनयन पर श्री बौद्ध ने कहा कि जो निष्ठा व विश्वास पार्टी एवं श्री वर्मा ने उन पर जताया है, उस पर खरा उतरने का कार्य करेंगे तथा जमीनी स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़कर प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा के नेतृत्व में लोजपा(आर) सुप्रीमो चिराग पासवान के हाथों को मजबूती प्रदान करने का कार्य करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष का श्री बौद्ध ने पगडी एवं माला पहनाकर जोरदार अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का संचालन मदन सिंह गौतम ने किया ।इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश संगठन मंत्री मोहित गोयल, जौनी पाल, सुरेन्द्र कुमार बौद्ध प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष सुखपाल, मदन सिंह गौतम, राजीव गोयल सहित भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाबालिक ने लगाया दो बच्चों के पिता पर दुष्कर्म का आरोप रिपोर्ट दर्ज

संस्कार उजाला

शिकारपुर .(बुलंदशहर) अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक छात्रा ने गांव के ही दो बच्चों के पिता पर लगाया दुष्कर्म करने का आरोप तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया है कि कक्षा 10 की 17 वर्षीय छात्रा अपने घर पर सो रही थी गांव का ही पड़ोसी जबरन घर से उठा कर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे दिया इतना ही नहीं दुष्कर्म के बाद पूरी रात अपने घर के कमरे में बन्द रखा नाबालिक का पिता आरोपी के घर पहुंचा तो आरोपी ने नाबालिक के पिता को गाली-गलौच करते हुए पुलिस को सूचना देने पर जान से मारने की धमकी दी है अहमदगढ़ थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया है तहरीर के आधार पर सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है इस मामले में पुलिस टीम लगा दी गई है जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा ।

महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों को लेकर जिला अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बरासऊ शिव मन्दिर का किया निरीक्षण

संस्कार उजाला

बुलंदशहर .शिकारपुर तहसील क्षेत्र के गाँव बरासऊ में शिव मन्दिर पर महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक करने आते है जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, ने शिव मन्दिर का निरीक्षण किया महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक के लिए व्यवस्थाओं का जायजा लिया शिव मन्दिर पर पहुंच गए जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जलाभिषेक किया और कांवड़ यात्रा के सकुशल सम्पन्न होने की प्रार्थना करी। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलाभिषेक के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की जाए भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेटिंग, सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, पुलिस बल की तैनाती, साफ-सफाई, पेयजल, आदि की व्यवस्था की जाए निरीक्षण के दौरान शिकारपुर एसडीएम प्रियंका गोयल, सीओ शोभित कुमार, नायब तहसीलदार शिकारपुर रतन वरनवाल नायब तहसीलदार पहासू विपिन कुमार वर्मा, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश चतुवेर्दी, बीडीओ, ग्राम प्रधान बृजपाल सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

विकासखंड मुजफ्फराबाद के गांव गदरेहड़ी में भारतीय किसान यूनियन क्रांति की बैठक का आयोजन किया गया

महिला प्रदेश अध्यक्ष ऋतु सैनी ने क्रांति परिवार को बढ़ाने के लिए क्षेत्र में भ्रमण किया

संस्कार उजाला अजय सैनी सहारनपुर मुजफ्फराबाद भारतीय किसान यूनियन क्रांति अराजनीतिक संगठन की महिला प्रदेश अध्यक्ष ऋतु सैनी ने गांव गदरेहडी एवं सरदाहेड़ी व रामखेड़ी आदि गांव में भ्रमण कर किसानों को समझाते हुए कहा कि क्रांति संगठन किसानो की आवाज को बुलंद करता है तथा निस्वार्थ भाव से किसानो की समस्याओं का समाधान करवाता है इस दौरान उन्होंने कहा की क्रांति संगठन एक ऐसा संगठन है जिसमें हमेशा किसानों की हितों की रक्षा के लिए कार्य किया जाता है इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी अजय सैनी ने कहा कि हमारा संगठन उभरता हुआ संगठन है क्रांति संगठन में किसान मजदूर की समस्याओं का समाधान समय रहते कराया जाता है जिससे किसानों को कोई समस्या पैदा ही ना हो इस दौरान

वरिष्ठ क्रांतिकारी नेता नरेश सैनी ने सभी किसानों की ओर से ऋतु सैनी को भरोसा दिलाया कि हम क्रांति संगठन को हम कभी भी निराश नहीं होने देंगे और हमेशा संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे तथा एक परिवार की तरह मिलकर कार्य करेंगे गांव से महिलाओं ने भी संगठन में जुड़ने के लिए आह्वान किया और कहा हम भी कंधे से कंधा मिलाकर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे इस दौरान मुख्य रूप से नरेश सैनी मोनू कुमार लाखन सिंह शिव कुमार सुरेश पाल सैनी मुकेश कुमार बेबी सैनी सोनिया देवी प्रतिभा सरोज देवी शारदा देवी मछलादेवी देवव्रत सैनी संजय सैनी पूनम सैनी सतपाल सैनी आदि मौजूद रहे

बुलंदशहर में कावड़ यात्रा के लिए 26 एम्बुलेंस आरक्षित

01..सभी कावड़ मार्गो पर तैनात रहेगी एम्बुलेंस

02.. हर स्थिति में शिव भक्तों को मिलेगा उपचार

संस्कार उजाला

बुलंदशहर .कावड़ यात्रा को संपन्न कराने को लेकर स्वास्थ्य विभाग की तैयारी तेज हो गई है। शासन के निर्देश पर जनपद बुलंदशहर के सभी कावड़ मार्गों पर 26 एंबुलेंस को आरक्षित किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी विनय कुमार सिंह ने बताया कावड़ यात्रा को लेकर तैयारी करीब करीब पूरी हो चुकी हैं। जनपद के गंगा घाट के साथ-साथ सभी कावड़ मार्गों पर कुल 26 एंबुलेंस 24 घंटे तैनात रहेगी।

बुलंदशहर मुख्य चिकित्सा अधिकारी विनय कुमार सिंह ने बताया जनपद में कावड़ यात्रा को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। जहां कावड़ मेला के लिए पर्याप्त चिकित्सकों की टीम के साथ साथ एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है ।जनपद के विभिन्न कावड़ मार्गों पर कुल 26 एंबुलेंस को आरक्षित किया गया है। कावड़ यात्रा के दौरान दुर्घटना की स्थिति में शिव भक्तों को तुरंत प्राथमिक उपचार के उपरांत नजदीक अस्पताल में भर्ती किया जा सकेगा। शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न तैयारी को पूरा कर लिया गया है। जनपद के एंबुलेंस के जिला प्रोग्राम मैनेजर सर्वोत्तम सिंह ने बताया कि इस कावड़ यात्रा में जनपद के विभिन्न स्थानों पर 26 एंबुलेंस को आरक्षित किया गया है। कावड़ यात्रा के दौरान दुर्घटना होने पर एंबुलेंस में ही कावड़ियों को मेडिकल सुविधा प्रदान की जाएगी। यात्रा के दौरान किसी भी आपातकालीन स्थिति में होने पर तुरंत 108 डायल करें।

बकरी चोरी का अनूठा तरीका बना पुलिस के लिए सिरदर्द

संस्कार उजाला

शिकारपुर .(बुलंदशहर) कोतवाली क्षेत्र के गांव में आठ बकरी चुराकर ले गए चोरों पर पुलिस ने कसा शिकंजा जिसमें एक को पूर्व में और एक को शुक्रवार में भेज दिया जेल लेकिन दो अभी भी फरार है शिकारपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश चतुर्वेदी, एस आई विजय सिंह, ने बताया कि रानऊ निवासी सुशीला बकरी पाल कर अपने परिवार का लालन-पालन करती थी जिसमें करीब तीन माह पहले उसकी आठ बकरी चोरी हो गई जिसका मुकदमा शिकारपुर कोतवाली में दर्ज होने के बाद पुलिस चोरों की तलाश में लगी थी जबकि एक चोर को पहले जिला कारागार भेजा जा चुका है और अब सूरज पुत्र वेदराम निवासी ग्राम मुढारी थाना सहसवान जिला बदायूं को सहसवान बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार कर जिला न्यायालय में पेश किया गया है सूरज पुत्र वेदराम ने बताया की चोरी की घटना में अंजाम देने वाले हम चार व्यक्ति थे मेरे हिस्से में दो बकरियां आई जिनको बेचकर मैंने रुपएं अपने निजी खर्चे में ले लिये ।

खरपतवारों की विशेषताएं स्वभाव और हानियां

खरपतवार धरती पर बिन बुलाए देशी और विदेशी मेहमान हैं। दुखद पहलू यह है कि इसमें विदेशी खरपतवार ज्यादा सिर उठाये हुए हैं। पचास के दशक में अमेरिका से पी.एल. 480 योजना के तहत आयातित गेहूं के साथ पारथेनियम भारत आया। असल में इस दौरान विदेशी वनस्पति के देश में प्रवेश के संगरोधन नियम ज्यादा प्रभावी नहीं थे। यही नहीं उस समय भूखी जनता के पेट की आग को बुझाने का मुख्य मुद्दा हमारे सामने था। इसके अलावा गेहूँसा/मंडूसी (फैलेरिस माइनर) नामक घास के बीच मिश्रित रूप से हरित क्रांति से पूर्व मैक्सिको से आयातित गेहूं के साथ आये। यही घास जिसको हमारे किसान गेहूं का मामा या गुल्ली डंडा कहते हैं, आज गेहूं की फसल की खुराक खा जाने वाला मुख्य खरपतवार है (डॉ. राजवीर शर्मा 2005)

यह निर्विवाद सत्य है कि खरपतवारों की उपस्थिति फसल की उपज को कम करने में सहायक है। किसान जो अपनी पूर्ण शक्ति व साधन फसल की अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिये लगाता है, ये अनैच्छिक पौधे इस उद्देश्य को पूरा नहीं होने देते। खरपतवार फसल के पोषक तत्व, नमी, प्रकाश, स्थान आदि के लिए प्रतिस्पर्धा करके फसल की वृद्धि, उपज और गुणों में कमी कर देते हैं, (डॉ. अनिल दीक्षित, डॉ.एन.टी. यदुराजू और डॉ.जे.एस. मिश्रा, 2004)।

खरपतवारों की विशेषताएं तथा स्वभाव

खरपतवार विशेष प्रकार की वृद्धि करने के स्वभाव तथा बीजोत्पादन के ढंग रखते हैं। मुख्य विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण निम्न लिखित है:–

- अनेक खरपतवार विषम परिस्थितियों में अच्छी प्रकार वृद्धि करते हैं।
- अनेक खपतवार वानस्पतिक ढंग से उत्पन्न होते रहते हैं और अपनी संतान वृद्धि/प्रसार करते हैं। यदि उनको बीजोत्पादन से रोक दिया जाये तब भी वे नये पौधों को जन्म देते रहेंगे और उनका प्रसार होता रहेगा। जैसे मोथा की भौमिक गांठें, हिरनखुरी की भूमिगत जड़ें तथा तने।
- बहुत से खरपतवार चिपकने वाले गोंद जैसे पदार्थों से ढके रहते हैं। इनमें कड़े रोयें, तथा इनमें कांटे पाये जाते हैं। इन उपायों से वे पशुओं तथा मनुष्यों द्वारा नष्ट होने से अपनी रक्षा करते हैं।
- अनेक खरपतवार फसलों से सफलतापूर्वक प्रतियोगिता करते हैं, क्योंकि वे विषम परिस्थितियों में अपने रूपान्तरित विधि से जीवन यापन की क्षमता रखते हैं
- असंख्य बीज प्रतिवर्ष खरपतवार द्वारा उत्पन्न होते हैं।
- खरपतवार के बीज बहुत वर्षों तक जमीन के अंदर दबे रहते हैं और उनकी अंकुरण शक्ति नष्ट नहीं होती है। यह शक्ति दस, बीस और तीस वर्षों तक भी बनी रहती है बथुआ में देखा गया है कि इसके बीज बीस से चालीस वर्षों तक भूमि में दबे रहने पर जमने की शक्ति रखते हैं।
- कुछ खरपतवार के बीज उसी समय पकते हैं जबकि फसल पक कर तैयार होती हैं। अथवा फसल पक कर तैयार होने के पहले ही खरपतवार के बीज भूमि पर गिर जाते हैं या फसल के साथ ही काट लिए जाते हैं।
- कुछ बीज फसलों के बीज से इतनी समानता रखते हैं कि उनको करना बहुत ही कठिन कार्य है।
- खरपतवार की जड़ें बहुत ही विकसित होती हैं और मिट्टी में गहराई तक पहुंचकर अपना खाद्य पदार्थ प्राप्त करने की क्षमता रखती है। जड़ों की वृद्धि खरपतवारों में फसलों की अपेक्षा अधिक होती है। यह देखा गया है कि हिरनखुरी की जड़ें 6 मीटर की गहराई तक भूमि में जाती है। जवासा की जड़ें 3 से 4 मीटर और वायसुरी तथा कांस की जड़ें 6 मीटर की गहराई तक भूमि के नीचे पहुंचती हैं।
- खरपतवारों में रोगों और कीटों के आक्रमण को रोकने की क्षमता होती है।

द्य खरपतवार हर प्रकार की कमजोर भूमियों में उग सकते हैं, जैसे ऊसर, बंजर, कंकरीली तथा दलदली भूमियों में भी खरपतवार अच्छी प्रकार अपना प्रसार करते हैं।

- घास पात के पौधे भूमि से पोषक पदार्थों का उपयोग करते हैं जिसकी मात्रा उपयोगी फसलों के पौधों द्वारा प्रयोग होने वाले पोषक पदार्थों की तुलना में अधिक होती है। जंगली सरसों (ब्रेसिका साइनेन्सिस) की जई के पौधे की अपेक्षा दुगने पोटाश की आवश्यकता होती है।
- घासपात कृषि कार्य में अवरोध उत्पन्न करते हैं, श्रम एवं उपकरणों के खर्च में वृद्धि करते हैं तथा फसलों के गुण एवं उत्पादन में कमी करते हैं।
- घासपातों से आक्रांत फसलों की कटाई चाहे श्रमिकों से कराई जाए या मशीनों से, किंतु श्रम खर्च में निश्चित वृद्धि होती है। घासपातों के कारण कटाई के यंत्रों में अधिक टूट–फूट, गत्यवरोध तथा अधिक मूल्य द्वारा ह्रास होता है।
- अनाज में मिले घासपातों के बीजों के कारण उपज की गुणवत्ता कम होती है तथा इसका बाजार मूल्य कम मिलता है। गेहूं में लेथिरस एफाफा (खेसरी, मटरी) आदि सामान्य घासपातों के बीज मिले होने पर बाजार में उसकी कीमत ही कम नहीं मिलती अपितु खाद्यमान भी कम हो जाता है। इसी प्रकार दुधारू पशु के चारे में बन लहसुन (वाइल्ड गार्लिक) मिल जाने पर दूध में अप्रिय गंध आने लगती है। पशुओं के बालों में कोलकबर चिपका होने से उनकी कीमत कम हो जाती हैं।

- घासपात के कारण चारागाहों की घास उत्पादकता कम हो जाती है तथा भूमि मूल्य में ह्रास होता है। इस प्रकार की क्षति विशेषकर बहुवार्षिक घासपातों के कारण होती है।
- घासपात कीटों और पीड़क रोगों को आश्रय प्रदान करते है तथा इनके वैकल्पिक परपोषियों का कार्य करते हैं जो उपयोगी फसलों की क्षति पहुंचाते हैं। उदाहरणार्थ जंगलीगाजर पर रस्ट फ्लाई तथा गाजर का घुन होते हैं जो गाजर की फसल पर आक्रमण करते हैं। इसी प्रकार घासपातों पर फफूंदी और अन्य रोगाणु बहुगुणित होते रहते हैं तथा फसलों को हानि पहुंचाते हैं।
- घासपात सिंचाई और जल निकास व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करते हैं। नालियां रुक जाती हैं तथा घासपात के बीज जल के साथ ऐसे खेतों में चले जाते हैं जहां सिंचाई जल जाता है। इसके अतिरिक्त जलीय घासपात झीलों व तालाबों इत्यादि को क्षति पहुंचाते हैं।
- कृषि और उद्यानों को हानि पहुंचाने के अलावा घासपात वनों को भी हानि पहुंचाते हैं। वनों की पुनर्जनन अवधि कभी–कभी 15–30 वर्ष तक होती है तथा अनुपयोगी पौधों की काष्ठीय भूमिगत वृद्धि को यदि ठीक से नियंत्रित न किया जाय तो यह उपयोगी पौधों के साथ तीव्र स्पर्धा करती है। लेन्टाना दक्षिण भारत तथा हिमाचल प्रदेश के चंदर (सेन्टेलम) वनों के लिए पहले ही घातक सिद्ध हो रहा है। देवदिकर एवं सहयोगियों के अनुसार यूफोर्बिया जेनिकुलाटा आदि कुछ घासपाती से रस लेने के कारण मधुमक्खियों को बहुधा विषाक्तता हो जाती है। घासपात के खिले पुष्प मधुमक्खियों को आकर्षित करने में उपयोगी फसलों से स्पर्धा करते हैं जिससे इनमें परागण कम हो जाता है और अन्ततः उपज कम हो जाती है। (देवदिनकर 1961)।

खरपतवार प्रबंधन

प्रतिबंधात्मक/ निवारण विधियां

इस विधि में वे क्रियाएं शामिल हैं जिनके द्वारा फसलों के खेतों में खरपतवारों के प्रवाह को रोका जा सकता है जैसे–

- खरपतवार रहित शुद्ध प्रमाणित बीज बोना।
- कृषि में प्रयोग आने वाली मशीन व यंत्र साफ हो।
- सिंचाई की नालियां व नहरों के किनारे उगे हुए खरपतवारों को समय से नष्ट कर दिया जाए।
- अच्छी तरह से सड़ी पकी गोबर और कम्पोस्ट खाद का खेतों में इस्तेमाल करें।
- ज्यादातर बहुवर्षीय खरपतवार जैसे कांस, पैराग्रास, दूब घास, मोथा, भोण्ड घास, कांदी इत्यादि खेतों की मेड़ के माध्यम से चुपके–चुपके खेत में प्रवाह करते हैं और बाद में बड़े पैमाने पर पूरे खेत में फैल जाते हैं इसलिए खेत के चारों तरफ की मेड़ की साफ–सफाई रखना बहुत आवश्यक है।

नियंत्रण विधि

इस विधि के तहत ऐसी क्रियायें आती हैं जिनके द्वारा बोआई के पहले और उनके बाद अथवा जब खरपतवार खेत में खड़ी फसल के साथ–साथ उग आते हैं तब निम्नलिखित विधियों द्वारा खरपतवारों को नष्ट किया जा सकता है।

यांत्रिक विधि

खरपतवार नियंत्रण की यह एक सरल और प्रभावी विधि है। विभिन्न फसलों की प्रारंभिक अवस्था में बोआई के 25 से 45 दिन के बीच का समय खरपतवारों से प्रतियोगिता की दृष्टि क्रांतिक समय है। अतः प्रारंभिक अवस्था में ही फसलों को निराई–गुड़ाई, खुरपी, फावड़ा, व्हील हो, हैण्ड हो की सहायता से करने से खरपतवारों का नियंत्रण प्रभावी ढंग से होता है और फसल की पैदावार में वृद्धि होती है।

शस्य विधि – ग्रीष्मकालीन जुताई और मेड़ों की सफाई– मई–जून में जब तापमान 45 सेंटीग्रेड के आस–पास रहता है तब यदि खेतों की जुताई की जाये तो कीड़े बीमारियों के साथ–साथ खरपतवारों के बीज भी भूमि के अंदर से सतह पर आ जाते हैं।

समय पर बोनी

कहा जाता है कि स्वस्थ फसल की सबसे प्रबल खरपतवारनाशी है। बचाव से सुरक्षा बेहतर के सिद्धांत के अनुसार फसलों की अनुशंसित समय पर बोनी करें जिससे अनुकूल जलवायु और भूमिगत परिस्थिति पाकर अंकुरण शीघ्र हो तथा फसल के पौधे पुष्ट होकर खरपतवारों से सफल प्रतिस्पर्धा कर सके।

कतार बोनी

छिटक कर खाद, उर्वरक तथा उसके ऊपर बीज छिटक कर बोने से खाद, उर्वरक का काफी हिस्सा खरपतवार चट कर जाते हैं। परिणामस्वरुप फसल, खरपतवार प्रतिस्पर्धा में फसल कमजोर हो जाते हैं। कतारों में बोनी करने से नीचे उर्वरक और उसके ऊपर बीज गिरने से पोषक तत्व सिर्फ फसलों के पौधों को ही मिल पाते हैं, कतार बोनी के साथ रसायनिक नींदानाशक प्रयोग यंत्र से अथवा हाथ से बचे खरपतवार की निदांई करने से एक चौथाई खर्च आता है।

सही फसल चक्र अपनाकर

एक ही तरह की फसलों को अलग–अलग मौसम में लगातार कई वर्षों तक खेतों में उगाने से खरपतवारों की समस्या जटिल हो जाती है। इसलिए जरुरी है कि खेत में पूरे साल रबी, खरीफ में एक ही तरह की फसलें न लेकर अलग–अलग मौसम में अलग–अलग तरह की फसलें जैसे खरीफ में उड़द, मूंग के बाद रबी में गेहूं, चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी इत्यादि फसलें बदल–बदलकर बोना चाहिए। जिससे खरपतवारों को काफी हद तक रोका जा सकता है।

जीरो टिलेज

इस पद्धति से खरीफ की फसल की कटाई के तुरंत बाद आवश्यक नमी की अवस्था में बिना किसी प्रकार का भूपरिकरण किये ही सीधे जीरो टिल फर्टी सीड ड्रिल नामक यंत्र से रबी फसलों की बोनी कर दी जाती है। इस विधि में चूंकि जुताई नहीं की जाती है तथा बोनी कतार में ही की जाती है जिससे खरपतवारों को पोषक तत्व नहीं मिल पाते तथा खेत में उपस्थित खरपतवार पूर्व में ही अंकुरित हो चुके होते है और फसल के पुट एवं स्वस्थ्य पौधे होने के कारण खरपतवार ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं।

हाथ से निंदाई

विभिन्न फसलों में अनुशंसित क्रांतिक अवधि में ही प्रारंभिक 20 से 40–45 दिन की अवस्था में ही हाथ से निदांई करना चाहिए जिससे निंदाई के साथ–साथ गुड़ाई भी हो जाती है जो पौधों के जड़ों के श्वसन आदि क्रियाओं में भी लाभकारी होती है।

जैविक नियंत्रण

ऐसी पद्धति जिसमें खरपतवार नियंत्रण के लिए इनके प्राकृतिक शत्रुओं (कीट, रोगजनक, कवक, जीवाणु, निमाटोड आदि) का उपयोग इस प्रकार किया जाता है ताकि खरपतवार की उपस्थिति से फसलोत्पादन में न्यूनतम आर्थिक हानि हो जैविक नियंत्रण कहलाती है। वे नींदानाशक जो सूक्ष्म जीवाणुओं जैसे कवक, जीवाणु, वायरस, निमाटोड आदि में तैयार किया जाता है। जैव नींदानाशक कहलाते हैं। भारत में जैविक नियंत्रण गाजर, घास, जलकुंभी जैसे खरपतवारों पर ही व्यावसायिक स्तर पर ही कुछ क्षेत्रों में अपनाया जा रहा है। निओचेटिन बीटल गाजर घास का प्रभावी नियंत्रण करता है।

समन्वित विधि

खरपतवार प्रबंधन अर्थात इससे होने वाली क्षति से फसल को सुरक्षित रखकर अधिकाधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त करने के लिए खरपतवार प्रबंधन की सस्य यांत्रिकी एवं रसायनिक विधियों का समन्वित प्रयोग सर्वोत्तम विधि है। इन तीनों विधियों को एक साथ किसी भी फसल में उपयोग करने पर फसल, खरपतवारों के साथ प्रतियोगिता से बचती है। अन्यथा केवल एक विधि के प्रयोग से किसी न किसी अवस्था में खरपतवार प्रतियोगिता करते ही है। उक्त तीनों विधियों के समन्वय से समय पर सभी आवश्यक कार्य संपादित होने के साथ ही श्रमिकों की कम आवश्यकता तथा व्यय में भी कमी होती है। अतः कृषकों को खरपतवार प्रबंधन में विशेष सलाह है कि सस्य विधियों को अपनायें साथ ही यांत्रिकी विधि से नियंत्रण के उपाय करें तथा रसायनिक विधि द्वारा भी नींदा नियंत्रण के उपाय को अपनी खेती की तरक्की के साथ जोड़े तभी इस विषम समस्या से अपनी फसल की सुरक्षा कर सकेंगे एवं अन्न उत्पादन में आये ठहराव को गति प्रदान कर देश ही अर्थव्यवस्था में पूर्व की भांति अपने योगदान को सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित/ नींदारहित बीज का प्रयोग

अक्सर नींदा के बीज फसल की कटाई मिसाई के समय फसल के बीजों के साथ मिल जाते हैं। फसल की बोनी के साथ–साथ उनकी भी बोनी हो जाती है और ये फसल से पहले उगकर कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। अतः सर्वदा उन्नत किस्म एवं गुणवत्ता का प्रमाणित बीज ही उपयोग में लायें।

मृदा सौर उष्मीकरण (सोलेराइजेशन)

यह मिट्टी से पनपने वाले एवं मिट्टी जनित कवक, जीवाणु, कीट एवं खरपतवारों के नियंत्रण की आधुनिक एवं अत्यंत प्रभावी तकनीक है। यह एक जल उष्मीय (हाइड्रोथर्मल) तकनीक है। जिसमें नम मिट्टी को ज्यादा गर्मी के समय पारदर्शक पॉलीथिन शीट से 4–8 सप्ताह तक ढंक दिया जाता है जिससे मिट्टी या तापमान 8 से 12 अंश सेंटीग्रेड तक बढ़ जाता है और ज्यादातर खरपतवारों के बीज एवं उनकी अंकुरण क्षमता समाप्त हो जाती है। इस विधि में मिट्टी में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक है। पॉलीथिन शीट पतली (25–30 माइक्रोमीटर) क्योंकि यह सस्ती होती है तथा ताप वृद्धि में ज्यादा प्रभावी होती है। इस विधि से 90 प्रतिशत से ज्यादा नींदा नियंत्रण हो जाता है।

जिलाधिकारी ने भ्रमणशील रहकर होने वाले वृक्षारोपण स्थल का निरीक्षण कर, दिशा-निर्देश

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने भ्रमणशील रहकर 20 जुलाई,2024 को जनपद के विभिन्न स्थलों पर होने वाले वृहद वृक्षारोपण जन अभियान के तैयारियों का निरीक्षण करते हुए स्थलीय जायजा लिये, इस दौरान उन्होंने पौधारोपण स्थल व खोदे गये गड्ढों की स्थिति को देखा और मौके पर उपस्थित कार्मिकों से पौधों के प्रजातियों व देख-भाल के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विकास खण्ड राबर्ट्सगंज के ग्राम पंचायत कोटास में स्थापित मनरेगा खेल स्टेडियम, मनरेगा ग्राम वन ग्राम पंचायत मरकरी, मनरेगा ग्राम वन ग्राम पंचायत लसड़ा में स्थापित पौधारोपण स्थल का निरीक्षण किये। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनपद में विभिन्न स्थानों पर अधिक से अधिक पौध रोपण किया जाने हैं, जिसके लिए तैयारी भी पूरी कर ली गयी है, पौध रोपण होने के तत्काल बाद सिंचाई करने के साथ ही पौधों के संरक्षण हेतु बेहतर उपाय करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दियें। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने से ज्यादा जरूरी है कि उसे संरक्षित किया जाये, इसके लिए ग्रामीणजनों को वृक्ष से होने वाले फायदों के महत्व की जानकारी भी दिया जाये, जिससे वो वृक्षों के संरक्षण के प्रति जागरूक हो सके और वृक्ष बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सकारात्मक सहयोग भी करें। इसी प्रकार से जिलाधिकारी ने चतरा ब्लाक में स्थापित

पूर्व माध्यमिक विद्यालय चतरा का आकस्मिक निरीक्षण किये, इस मौके पर विद्यालय परिसर, कक्षों व पीने के पानी की स्थिति का जायजा लिये। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति कम पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थित बढ़ाने के निर्देश प्रधानाध्यापक को दिये, बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावकों से वार्ता कर उनको शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया जाये और अपने बच्चे को विद्यालय भेजने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाये। उपस्थिति पंजिका के निरीक्षण में पाया गया कि शिक्षामित्र अनुपस्थित है, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया कि अध्यापको के छुट्टी को कम किया जाये, जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित न हो, विद्यालय में बच्चो को बेहतर शिक्षा प्रदान किया जाये, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा हेतु आगे बढ़ने में सहायता मिल सके। विद्यालय परिसर की चहार दीवारी गिरने व जर्जर की दशा में पाये जाने पर तत्काल मरम्मत करने और विद्यालय में बच्चों को किसी प्रकार की समस्या न होने पाये इसके लिए बेहतर प्रबन्ध के निर्देश सम्बन्धित को दिये।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, उपायुक्त मनरेगा एवं जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

संक्षिप्त डायरी

मानकों के अनुरूप खरी उतर रही है आनंदा डेयरी : *हरीश मित्तल*

संस्कार उजाला

बुलंदशहर.स्याना के गढ़ स्टेट हाईवे पर स्थित आनंद डेयरी प्लांट में शुक्रवार को प्रेस वार्ता हुई। पत्रकारों को संबोधित करते डेयरी के एरिया मैनेजर हरीश मित्तल ने संबोधित करते हुए कहा कि आनंदा डेयरी प्लांट मानकों के अनुरूप खरा उतर रहा है। समय-समय पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जांच कराई जाती है। हरीश मित्तल ने कहा कि डेरी में गायों और भैंस के दूध से उत्पाद तैयार किए जाते हैं। स्याना में पहली बार केवल गाय के दूध से आनंदा तैयार कर रही घी और पनीर आनंदा डेयरी के एरिया मैनेजर हरीश मित्तल ने बताया कि केवल गायों के दूध से पहली बार स्याना में घी और पनीर का उत्पादन किया जा रहा है। आनंदा की गौशाला में गिर, साहीवाल आदि नस्लों की अच्छी गाय पाली जा रही है। जिनके दूध को प्राचीन काल के समय अपनाई जाने वाली पद्धति को अपनाकर घी और पनीर तैयार किया जा रहा है। समय-समय पर खाद्य सुरक्षा विभाग करता है जांच: डीओ विनीत कुमार डीओ विनीत कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार समय-समय पर नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजता रहता है।आनंदा डेरी प्लांट में लिए गए गत एक वर्ष से कोई भी सैंपल फेल नहीं हुआ है। अभी तक किसी तरह की कोई खामियां सामने नहीं आई है।

पुलिस ने अवैध अफीम के साथ दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

04.371 किलोग्राम अवैध अफीम (कीमत करीब 50 लाख रुपये) सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

संस्कार उजाला

बुलंदशहर.थाना नरौरा पुलिस व स्वाट टीम ग्रामीण द्वारा एक अभिसूचना के आधार पर दो अभियुक्तों को गांधी घाट के पास से 04.371 किग्रा अफीम कीमत लगभग 50 लाख रुपए बताई जा रही है। अभियुक्त श्यामीर पुत्र बनवारी निवासी सल्लन नगर बनावर जनपद बदायूं पप्पू पुत्र रामकिशोर निवासी सल्लन नगर बिनावर जनपद बदायूं को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना नरौरा पर मुअसं- 130/24 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली थाना नरौरा पुलिस टीम में हरवीर सिंह चाहर थाना प्रभारी नरौरा उ0नि0 किशन गौतम का0 विशाल सिवाच, का0 महेश कुमार, का0 विपिन कुमार स्वट टीम ग्रामीण-लोकेश अग्निहोत्री प्रभारी स्वाट टीम देहात है0का0 नितिन कुमार शर्मा, का0 मनीष कुमार, का0 आकाश कुमार, चालक है0का0 सर्वेन्द्र कुमार आदि शामिल रहे।

पुलिस अधीक्षक मीरजापुर व जिलाधिकारी द्वारा नगर स्थित विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर दिया निर्देश

संस्कार उजाला

मिजार्पुर - पुलिस अधीक्षक मीरजापुर अभिनन्दन व जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन द्वारा श्रावण मास में निकलने वाली कावड़ यात्रा को सकुशल एवं निर्वाध रूप से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत नगर स्थित गंगा नदी के विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर समस्त तैयारी पूर्ण कर उचित व्यवस्थापन करने हेतु तथा सूरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबन्द करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । इसी क्रम में कावड़ियों द्वारा निकलने वाली कावड़ यात्रा हेतु निर्धारित मार्गो का निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था को सूचारू रूप से संचालित करने व कावड़ियों की सूरक्षा के व्यवस्थापन हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

शिरोज कैफे में सामाजिक चिंतन सभा का आयोजन आम पार्टी व टी पार्टी के रूप में किया

संस्कार उजाला

समाजवादी पार्टी के प्रमुख कार्यकताओं ने सेक्टर 21 के तेजाब पीड़िताओ द्वारा चलाया जा रहा शिरोज कैफे में सामाजिक चिंतन सभा का आयोजन आम पार्टी व टी पार्टी के रूप में किया । सभा का आयोजन अतुल यादव (पूर्व नोएडा महानगर अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा)ने किया व सभा की अध्यक्षता दीपक विग (पूर्व नोएडा महानगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी) ने कि । सभा का संचालन कुवर बिलाल बरनी (पूर्व मीडिया प्रभारी नोएडा महानगर अध्यक्ष)ने किया । सभा का संबोधन करते हुए दीपक विग ने उपस्थित सभी कार्यकताओं से कहा, 2027 की तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए टिकट चाहे गुर्जर यादव मुस्लिम बनिया ब्राह्मण किसी को भी मिले । सेक्टरों में ,ग्रुप हाउसिंग में ,झुग्गियों में ,गाँव में ,कच्ची कोलोनीयो में ,सभी कार्यकर्ता को जी जान से काम करके सबको जोड़ना है । सभा को संबोधित करते हुए नोएडा कि सभी जाती जभी धर्म के लोगो को पार्टी से जोड़ना है । और 2027 में इस सिट पर पार्टी को विजय दिलवानी हैं । सभा को विपिन अग्रवाल , बिलाल बरनी , राजेश अम्बावत , शशि यादव ने भी सभा को संबोधित किया । सभा में प्रमुख रूप से दीपक विग , अतुल यादव , हसीब सैफी , दिनेश यादव ,बाबूलाल बंसल ,रोहित , कोशिदर यादव , विपिन अग्रवाल ,बिलाल बरनी ,राजेश अम्बावत ,शशि यादव ,साहिल चौधरी ,विकास भूमिहार ,आदि उपस्थित रहे । ऐसी चिंतन बैठक समय समय पर होती रहेंगी ।

योगी सरकार की छवि में पलीता लगाने का कार्य कर रहा पावर कापोर्रेशन।

01.रोस्टिंग के नाम पर ग्रामीण अंचल को नहीं मिल पा रही पर्याप्त आपूर्ति।

02.ग्रामीणों ने कहा कि बिजली नहीं तो बिल नहीं को लेकर किया जाएगा आन्दोलन

संस्कार उजाला

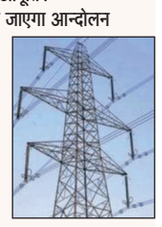

सीतापुर राकेश पाण्डेय।जनपद के ग्रामीण अंचल में पावर कापोर्रेशन के अथिकारियों की मनमानी के चलते रोस्टिंग करके ग्रामीण अंचल की आपूर्ति बाधित कर उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।जबकि योगी सरकार का आदेश प्रत्येक परिस्थित में ग्रामीण अंचल को अठारह घंटे विद्युत आपूर्ति करने का है।ऐसी दशा में पावर कापोर्रेशन योगी सरकार की छवि में अपने क्रिया कलापों के द्वारा बट्टा लगाने का कार्य किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सीतापुर जनपद के हरगांव विकास खण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत 33/ 11केवी विद्युत उपकेन्द्र हरगांव देहात व हरगांव नगर के नाम से दो उपकेन्द्र कार्य कर रहे हैं। उपकेन्द्र कर्मचारियों ने नाम न.छापने की शर्त पर बताया कि पावर कापोर्रेशन के आदेश पर रोस्टिंग लागू करके सबसे अधिक ग्रामीण अंचल की विद्युत आपूर्ति बाधित की जाती है।जबकि नगर की विद्युत आपूर्ति अनवरत चलती रहती है।शासन व प्रशासन बताए कि ग्रामीण अंचल के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों है। पावर कापोर्रेशन क्यों योगी सरकार की छवि को बट्टा लगाने पर तुला हुआ है।इस तरह से ग्रामीण अंचल को मुस्किल से छै सात घंटे ही विद्युत आपूर्ति मिल पाती है। ग्रामीण सूत्रों के अनुसार पावर कापोर्रेशन में बैठे आला अधिकारियों पर योगी सरकार में बैठे ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा का लगता है कि कोई नियंत्रण रह नहीं गया है।वरना मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ के दिशा निर्देश के साथ पावर कापोर्रेशन के अधिकारी गण छेड़ छाड़ नहीं करते।विगत लोकसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की हुई सबसे बड़ी हार का एक कारण यह भी हो सकता है। पावर कापोर्रेशन के अधिकारियों के आगे विद्युत उपकेन्द्र हरगांव के अधिकारी बौने रह जाते है। वैसे तैंतिस हजार व छाछठ हजार की आपूर्ति गायब होना तो आम बात है।

पालिका की बोर्ड बैठक में करोड़ों के विकास कार्यों का प्रस्ताव पारित

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय। जिले की खैराबाद नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में सड़क,नाली निर्माण, प्रकाश,सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं तथा विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपये के प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किए गए। आज उन्निस जुलाई 2024 नगर पालिका परिषद खैराबाद की बोर्ड की विशेष बैठक श्री मती बेबी गुप्ता की अध्यक्षता में पूर्व निर्धारित तिथि व समय के अनुसार अपराह्न तीन बजे पूर्ण हुई। जिसमें नगर के विकास के परिपेक्ष्य में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु उन्तालिस करोड़ उन्सठ लाख रुपए का बजट सर्वसम्मति से बोर्ड द्वारा पारित किया गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में नगर की आधार भूत संरचना, सड़क,नाली,पेयजल व्यवस्था जलनिकासी, साफ-सफाई एवं रोजगार सृजन हेतु व्यवस्थायें की गई है, जिसे की नगर चतुर्दिक विकास सम्भव हो सके, साथ ही बजट में सृजनात्मक कार्यों पर भी बल दिया गया। बोर्ड द्वारा नगर की आय बढ़ाने के लिए भी बैठक में बल दिया गया एवं आय बढाने के साधनों के साथ-साथउससे सम्बन्धित नियमावलियां भी बनाने हेतु प्रस्ताव पास किये गये तथा अध्यक्ष एवं अधिशाषी अधिकारी को प्रस्ताव के अनुरूप कार्य करने हेतु अधिकृत किया गया। अध्यक्षा द्वारा नगर के विकास में सहयोग एवं साथ-साथ चलने हेतु वार्ड सभासद गण का आभार प्रकट किया गया एवं तत्पश्चात सधन्यवाद बोर्ड की बैठक समाप्त हुयी। बोर्ड बैठक में विष्णु कुमार, हबीब,श्रीमती मुन्नी,युसुफ खॉ, उमेश,श्रीमती शबेनाज, सुनील,फरजन्द अली,आलोक बाजपेई,राकेश चन्द्र, मो० मुर्सलीन,श्रीमती मोमिना, जफरयाब बेग,शकील अहमद मो०नसीम खॉ,मो०जावेद, सऊद अहमद श्रीमती कविता, साबिर अली,हसीन अहमद, श्रीमती राशदुन निशां, श्रीमती शायरून निशां,श्रीमती नासरा बानों,श्रीमती रोशन जहॉ, श्रीमती महरून निशा व प्रेम शंकर गुप्ता अधिशाषी अधिकारी,मनोज राना सफाई एवं खाद्य निरीक्षक एवं नदीम आशु लिपिक उपस्थित रहे।

कोन वन रेंज के भूमि पर कब्जा, पर्यावरण प्रेमियों ने किया जोरदार प्रदर्शन

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

कोन/सोनभद्र। ओबरा वन प्रभाग के वन रेंज कोन के अंतर्गत बागेसोती, भालूकुदर सेक्सन में वन माफियाओं की सक्रियता इस कदर बढ़ गयी है कि क्षेत्र में आये दिन कीमती पेड़ काटकर वन भूमि पर कब्जा किया जा रहा। विभाग कार्यवाही के नाम पर चुप्पी साधे बैठी है। ग्रामीणों ने बताया कि बागेसोती के अंतराज्यीय बॉर्डर पर स्थित बड़ाप के ललुआ खोह व भालुकूदर सेक्सन के धरनवा बॉर्डर पर अबैध रूप से पेड काटकर कब्जा किया जा रहा है जिसके आजीज होकर स्थानीय लोगों द्वारा मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर पूर्व में शिकायत दर्ज कराया गया था जिस पर तत्कालीन क्षेत्रीय वनाधिकारी कोन द्वारा जांच कर अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देशित किया गया था कि किसी भी स्थिति में वन भूमि पर अतिक्रमण न हो पाये। परन्तु निर्देश ढाक के तीन पात निकला। जिसका नतीजा है कि ग्राम बागेसोती के खोहिईया जंगल, झारखंड बार्डर, बड़ाप के साथ भालुकूदर बीट में जहाँ लोग वनकर्मी की मिलीभगत से सैकड़ों एकड़ वन भूमि पर कब्जा कर मकान तक बना लिए गए हैं। ग्रामीण राजेंद्र सिंह की अगुवाई में आज दर्जनों लोगों ने जोरदार आक्रोश व्यक्ति किया और उच्चस्तरीय जाँच की मांग करते हुए तत्काल वन भूमि कब्जा मुक्त कराकर लिप्त वन कर्मियों के ऊपर कार्यवाही किये जाने की मांग की है प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से बिहारी प्रसाद, राजेंद्र, संजय संतोष, कमलेश, अजीत सिंह सहित दर्जनों ग्रामीण थे।

क्षेत्राधिकारी दुद्धी के नेतृत्व में जामपानी व शिसवा के जंगलों में की गयी सघन कॉम्बिंग

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

दुद्धी/सोनभद्र। जनपद में नक्सली संचरण पर प्रभावी रोकथाम रखने, दूरस्थ व पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों से समन्वय स्थापित रखने व जनता में सुरक्षा की भावना बनाये रखने एवं अभिसूचना संकलन के उद्देश्य से दिनांक-19.07.2024 को क्षेत्राधिकारी दुद्धी प्रदीप सिंह चन्देल के नेतृत्व में थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा मय पीएसी थाना क्षेत्रान्तर्गत के ग्राम जामपानी व शिसवा के जंगलों में मय पीएसी सघन कॉम्बिंग की गयी । इसी प्रकार थाना बीजपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम इंजानी व धरतीदार के जंगलो में कॉम्बिंग की। काम्बिंग के दौरान स्थानीय लोगों से वार्ता कर उन्हें मुख्य धारा में रहकर पुलिस का सहयोग करने व किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने या नक्सली संचरण के विषय मे जानकारी होने पर तत्काल पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने हेतु प्रेरित किया गया ।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में शुक्रवार परेड की ली गई सलामी

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

चुर्क/सोनभद्र। डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा पुलिस लाईन चुर्क परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई गई । निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा यू0पी0 -112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी । तत्पश्चात पुलिस लाईन चुर्क में स्थित क्वार्टर गार्द पर तैनात सलामी गार्द द्वारा महोदय को सलामी दी गयी जिसपर महोदय द्वारा सलामी का अभिवादन स्वीकार किया गया । इस दौरान क्वार्टर गार्द, स्टोर, परिवहन शाखा, मेस, पुलिस बैरक व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

सावन माह से पहले शिव मंदिरों का नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने निरीक्षण कर अधिकारियो को दिया निर्देश

संस्कार उजाला

मीरजापुर - नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने सावन माह के प्रारंभ होने से पहले नगर के बरियाघाट एवं बुंदेलखंडी वार्ड पहुंचकर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साफ सफाई व्यवस्था,बेरिकेटिंग कराने सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।उन्होंने बुढ़ेनाथ मन्दिर की सड़क का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा की सावन माह में श्रद्धालुओं की भीड़ शिव मंदिरों की तरफ उमड़ती है।इसको देखते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है।

एसीओ नोएडा अथॉरिटी श्रीमती वंदना त्रिपाठी IAS जी ने विद्या के भरोसे ट्रस्ट के साथ सेक्टर 11 नोएडा में वृक्षारोपण करने का कार्य किया

संस्कार उजाला

विद्या के भरोसे ट्रस्ट के द्वारा एक माह के लिए पेड़ लगाओ अभियान अनेक सेक्टर में चलाया जा रहा है जिसमे 501 पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है । जिसके अंतर्गत आज धवलगिरी सेक्टर 11नोयडा के बड़े नाले के किनारे पर घने और फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण करने का कार्य किया गया । आज की मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीया अउएड श्रीमती #VandanaTripathi (IAS) Noida Authority जी ने खुद अपने हाथो पौधा लगाकर शुभारम्भ किया, साथ ही अउएड साहिबा जी ने ट्रस्ट के इस अभियान की तारीफ करते हुए कहा की #विद्याकेभरोसे ट्रस्ट समाज के लिए एक सराहनीय कार्य कर रहा है और इस से समाज मैं और लोगो को भी प्रेणना मिलेगी। इसके बाद RWA उपाध्यक्ष महेश डंडरियाल जी ने धवलगिरी सेक्टर 11 नोएडा के लोगो को नाले की बदबू और जहरीली गैस के विषयों पर अउएड जी से चर्चा करते हुए इस समस्या से अवगत करते हुए स्वस्थ्य की चिंता व्यक्त करते हुए इस नाले को ढकने के लिए निवेदन किया इस मौके पर ट्रस्ट की मुख्य संरक्षक श्रीमान के के सुंदरियाल महेश डंडरियाल, संतोष खंडुरी, RWA-56 अध्यक्ष संजय मावी, सुषमा चक्रवर्ती,मधु वर्मा, हरीश, रंजीत रावत, सुरेंद्र बिष्ट, जगमोहन, रतनलाल, निधि चौहान सुमन सिंह, अरविंद सोनी, महेंद्र रावत, गिरजानंद, सुनील आदि शामिल हुए इस मानसुन के मौसम में एक पेड़ जरूर लगाएं

दादरी के स्प्रिंग दल पब्लिक स्कूल टीचर्स कॉलोनी में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की एक बैठक

संस्कार उजाला

19 जुलाई को दादरी के स्प्रिंग दल पब्लिक स्कूल टीचर्स कॉलोनी में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की एक बैठक जिले के कार्यकारी अध्यक्ष श्री उमेश पंडित खैरपुर वालों की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पीतांबर शर्मा मौजूद रहे सर्वप्रथम भगवान परशुराम को याद किया गया और उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उपस्थित पंडित पीतांबर शर्मा को जिला महिला की अध्यक्ष निधि शर्मा एडवोकेट वह जेवर क्षेत्र के अध्यक्ष हरीश शर्मा बनवारीपुर में पका पहनकर और मिठाई खिलाकर प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया इसके बाद कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा हुई 15 सितंबर को खुर्जा में होने वाली ब्रह्म एकता दिवस को बड़े रिश्ते पर स्तर पर मनाने के लिए कैसे ज्यादा से ज्यादा लोग वहां पहुंचे उसकी जिम्मेदारी सोप गई गौतम बुद्ध नगर जिले से कम से कम 500 आदमी का लक्ष्य रखा गया है 15 सितंबर को होने वाली मीटिंग में हिमाचल हिमाचल प्रदेश के गवर्नर आदरणीय शुक्ला जी व केंद्र के कई मंत्री को आमंत्रित किया गया है उन्होंने अपनी स्वीकृति दे दी है अभी कार्यक्रम दूर है कोशिश होगी कि ज्यादा से ज्यादा मंत्री विधायक या राज्यपाल उनको आमंत्रित किया जाएगा इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्राह्मणों को अपनी ताकत दिखाने का मौका मिलेगा हजारों की संख्या में लोग वहां इकट्ठे होंगे ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की मांग रखी जाएगी गरीब ब्राह्मण के लिए आरक्षण की मांग की जाएगी प्रदेश अध्यक्ष द्वारा यह जानकारी सभी को दी गई इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री परमानंद शर्मा नगर अध्यक्ष मांगेराम शर्मा नगर महामंत्री रतन वीर शर्मा जिला महामंत्री रामकुमार शर्मा और मंडल सचिव सत्य प्रकाश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे मास्टर डालचंद शर्मा मास्टर डीके शर्मा रामेश्वर शर्मा संजय शर्मा राजवीर शर्मा मुकेश श सुमित शर्मा धर्मपाल शर्मा आरती शर्मा दादरी की अध्यक्ष गीता पंडित अपने सहयोगियों के साथ उपस्थित रहे कार्यक्रम का आयोजन मंडल के सचिव सत्य प्रकाश शर्मा द्वारा किया गया

सोमवार से प्रारम्भ करे नव निर्मित विश्वविद्यालय के बाउंड्रीवाल का निर्माण -मण्डलायुक्त

01..ड्रेनेज व्यवस्था पर हो विशेष ध्यान, मुख्य मार्ग से विश्व विद्यालय कैम्पस तक सड़क दुरूस्त करने का दिया निर्देश

संस्कार उजाला

मीरजापुर - मड़िहान तहसील के देवरी कला में नव निर्मित विंध्य विश्वविद्यालय के निर्माण को लेकर मण्डलायुक्त डॉ मुथुकुमारस्वामी बी0 के द्वारा आज मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। उन्होने कार्यदाई संस्था को निर्देशित करते हुये कहा कि सोमवार तक प्रत्येक दशा में विद्यालय के बाउंड्रीवाल कार्य प्रारम्भ करा दिया जाए तथा विश्व विद्यालय से मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़क को भी दुरूस्त कराया जाए। वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर हाल में रोड 3 दिन के अंदर तैयार करके दे दें जिससे कि मेन सड़क से सामान विश्वविद्यालय तक आसानी से पहुंच सके वहीं विश्व विद्यालय के संबंध में वन विभाग, खान विभाग सहित जिस विभाग से एन0ओ0सी0 प्राप्त कर ले। उन्होंने विश्वविद्यालय के नक्शे और मार्ग तथा पानी निकासी के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान प्रशासनिक व एकेडमिक ब्लाक, आवासीय ब्लाक सहित अन्य कार्यो के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने भ्रमणशील रहकर होने वाले वृक्षारोपण स्थल का निरीक्षण कर, दिशा-निर्देश

संस्कार उजाला
ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने भ्रमणशील रहकर 20 जुलाई,2024 को जनपद के विभिन्न स्थलों पर होने वाले वृहद वृक्षारोपण जन अभियान के तैयारियों का निरीक्षण करते हुए स्थलीय जायजा लिये, इस दौरान उन्होंने पौधारोपण स्थल व खोदे गये गढ्ढों की स्थिति को देखा और मौके पर उपस्थित कार्मिकों से पौधों के प्रजातियों व देख-भाल के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विकास खण्ड राबट्र्सगंज के ग्राम पंचायत कोटास में स्थापित मनरेगा खेल स्टेडियम, मनरेगा ग्राम वन ग्राम पंचायत मरकरी, मनरेगा ग्राम वन ग्राम पंचायत लसड़ा में स्थापित पौधारोपण स्थल का निरीक्षण किये। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनपद में विभिन्न स्थानों पर अधिक से अधिक पौध रोपण किया जाने हैं, जिसके लिए तैयारी भी पूरी कर ली गयी है, पौध रोपण होने के तत्काल बाद सिंचाई करने के साथ ही पौधों के संरक्षण हेतु बेहतर उपाय करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दियें। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने से ज्यादा जरूरी है कि उसे संरक्षित किया जाये, इसके लिए ग्रामीणजनों को वृक्ष से होने वाले फायदों के महत्व की जानकारी भी दिया जाये, जिससे वो वृक्षों के संरक्षण के प्रति जागरूक हो सके और वृक्ष बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सकारात्मक सहयोग भी करें। इसी प्रकार से जिलाधिकारी ने चतरा ब्लाक में स्थापित पूर्व माध्यमिक विद्यालय चतरा का आकस्मिक निरीक्षण किये, इस मौके पर विद्यालय परिसर, कक्षों व पीने के पानी की स्थिति का जायजा लिये। विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति कम पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थित बढ़ाने के निर्देश प्रधानाध्यापक को दिये, बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावकों से वार्ता कर उनको शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया जाये और अपने बच्चे को विद्यालय भेजने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाये। उपस्थिति पंजिका के निरीक्षण में पाया गया कि शिक्षामित्र अनुपस्थित है, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया कि अध्यापको के छुट्टी को कम किया जाये, जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित न हो, विद्यालय में बच्चो को बेहतर शिक्षा प्रदान किया जाये, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा हेतु आगे बढ़ने में सहायता मिल सके। विद्यालय परिसर की चहार दीवारी गिरने व जर्जर की दशा में पाये जाने पर तत्काल मरम्मत करने और विद्यालय में बच्चों को किसी प्रकार की समस्या न होने पाये इसके लिए बेहतर प्रबन्ध के निर्देश सम्बन्धित को दिये। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, उपायुक्त मनरेगा एवं जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

टोल टैक्स के नए नियम फास्टैग को लेकर ठल्अकने बदला नियम अगर की ये गलती तो लगेगा दोगुना Toll Tax

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद अब आपकी थोड़ी सी लापरवाही जेब पर बोझ बढ़ा सकती है. हम बात कर रहे हैं टोल प्लाजा पर लगने वाले टैक्स की जिसके लिए नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी NHAI ³fZ नया नियम लागू किया है. इसके तहत अब जिन लोगों की गाड़ियों में फास्टैग नहीं लगे होंगे, उनसे दोगुना टोल टैक्स (Toll Tax) वसूला जाएगा. इसको लेकर एनएचएआई की ओर से दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं. अक्सर देखने को मिलता है कि लोग अपनी कारों या अन्य वाहनों की विंडस्कीन पर जानबूझकर फास्टैग नहीं चिपकाते हैं, बस इसी पर सख्ती बरतते हुए NHAI ने फास्टैग को लेकर नया रूल लागू (FasTag New Rule कर दिया है. अब विंडस्क्रीन पर जानबूझकर फास्टैग नहीं लगाने वालों से ज्यादा टैक्स वसूल किया जाएगा. पीटीआई के मुताबिक, इस संबंध में जारी दिशानिदेर्शों में कहा गया है कि विंडस्क्रीन पर फास्टैग नहीं लगाने से टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी होती है और इससे कतार में खड़े अन्य वाहनों को परेशानी होती है. इसके मद्देनजर अथॉरिटी ने इस संबंध में रडढ जारी कर दी है और इसके तहत ऐसे वाहन चालकों से अब दोगुना टोल टैक्स वसूला जाएगा.

गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष डॉ.अतुल जैन ने आयुक्त राज्य कर डॉ.नितिन बंसल से की शिष्टाचार भेंट की

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल के अध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार जैन और कोषाध्यक्ष सतीश बंसल ने नवनियुक्त राज्य कर आयुक्त डॉ.नितिन बंसल आई ए एस से उनके कार्यालय लखनऊ में एक शिष्टाचार भेंट की, गाजियाबाद लोहा विक्रेता मंडल और की ओर से उनको पुष्प गुच्छ भेंट करके स्वागत किया बधाई दी और सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। स्वागत के बाद राज्य कर आयुक्त के साथ एक सूक्ष्म बैठक में डॉ.अतुल जैन ने राजस्व बढ़ाने और व्यापारियों और उद्यमियों की असुविधाओं को दूर करते हुए जीएसटी में कुछ सरलीकरण हेतु सुझाव दिए और राज्य कर आयुक्त को अवगत कराया गया कि जिन मामलों में ई इनवॉइस बनाया जाता है उसमें व्यापारी को या उद्यमी को दोबारा से इस माल की बिक्री के संबंध में ई वे बिल बनाने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए यह जटिलता समाप्त की जानी चाहिए ।एक अन्य समस्या रखते हुए डॉ.अतुल कुमार जैन ने सुझाव दिया कि यदि क्रेता ने एक पंजीकृत डीलर से कोई माल खरीदा है और उस बिक्री को विक्रेता द्वारा मासिक विवरणी में 2 ए में भी वह दशार्या गया है तब इस बिक्री और खरीद के उपरांत यदि विक्रेता अस्तित्व में नहीं पाया जाता या उसकी खरीद बोगस पाई जाती है तो क्रेता को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए और उस पर किसी भी प्रकार की कर भुगतान की जिम्मेदारी नहीं डाली जानी चाहिए ।इसके अतिरिक्त अन्य व्यावहारिक पहलुओं पर भी चर्चा हुई और सभी बातों को आयुक्त डॉ.नितिन बंसल आई ए एस ने बड़े ही ध्यान से सुना और उचित कार्यवाही का आश्वासन देते हुए आश्वस्त किया कि किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। डॉ.अतुल कुमार जैन एवं सतीश बंसल ने राज्य कर आयुक्त का सभी बातों को ध्यान से सुनकर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

गाजियाबाद मण्डलायुक्त सेल्वा कुमारी जे0 ने किया कांवड़ मार्ग का निरीक्षण, बैठक में दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सुरक्षित, सुलभ व आरामदायक कांवड़ यात्रा हो इस पर विशेष ध्यान दिया जाएं: मण्डलायुक्त सेल्वा कुमारी जे0 कांवड़ यात्रा से सम्बंधित विभागाध्यक्षों/ प्रभारियों द्वारा किया जा रहा है निरंतर कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण: जिलाधिकारी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम सहित अन्य विभागों द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं, जिसके चलते पुलिस कमीशनर अजय कुमार मिश्रा, जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह एवं नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा तैयारियों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी के क्रम में मण्डलायक्त श्रीमती सेल्वा कुमारी जे0 द्वारा कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया गया।
बताते चले कि कुछ दिनों बाद कांवड़ यात्रा का शुभारम्भ होने वाला है, जिसके मद्देनजर कांवड़ यात्रियों के आवागमन मार्ग को सुलभ, सुरक्षित एवं सुन्दर बनाने का कार्य जनपद में जिला स्तर पर चल रहा है। जिसका पुलिस कमीशनर, जिलाधिकारी और नगर आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों द्वारा रूप रेखा तैयार करने के बाद लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। मण्डलायुक्त सेल्वा कुमारी जे0 द्वारा अपने मण्डल के सभी जनपदों में कांवड़ मार्ग का निरीक्षण व तैयारियों के सम्बंध में बैठके की जा रही हैं। इसी क्रम में मण्डलायुक्त महोदया द्वारा मुरादनगर पाईप लाईन मार्ग यानि कांवड़ यात्रा मार्ग का जिलाधिकारी, नगर आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त महोदय द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए निरीक्षण के उपरान्त मण्डलायुक्त महोदय द्वारा जल निगम, गेस्ट हाउस, मुरादनगर में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, एडीएम प्रशासन रणविजय सिंह, एसडीएम पूजा गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों के साथ कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने हेतु क्या प्लानिंग है उसके बारे में जाना। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा बताया गया कि सभी विभागों को कांवड़ यात्रा सम्बधित उनके कार्यों को सौंपने के उपरांत उन्हें पीपीटी व बैठकों के माध्यम से समझा दिया गया हैं कि उन्हे अपना कार्य किसी प्रकार से सकुशल सम्पन्न करना हैं। इसके साथ विभागाध्यक्षों एवं प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वह समय समय पर तैयारियों का निरीक्षण करते हुए उन्हें अवगत कराते रहे। इसके साथ ही मेरे द्वारा एवं नगरायुक्त द्वारा भी निरंतर स्थलीय निरीक्षण एवं बैठके की जा रही है। मण्डलायुक्त श्रीमती सेल्वा कुमार जे0 ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ ही बाते मुख्य होती है, जैसे: सुरक्षित एवं भयमुक्त यात्रा, साफ सुथरी व सुलभ मार्ग, यात्रा के दौरान जलपान की व्यवस्था आदि। इसलिए सुरक्षित, सुलभ व आरामदायक कांवड़ यात्रा हो इस पर विशेष ध्यान दिया जाएं।

संतों के आशीर्वाद से प्रयागराज महाकुंभ भव्य, दिव्य, सुरक्षित व सुगम बनेगा

संस्कार उजाला

प्रयागराज: मेला अधिकारी विजय किरन आनंद ने कहा कि इस बार का प्रयागराज महाकुंभ दिव्य, भव्य, सुरक्षितव सुगम होगा। किसी भी संत या श्रद्धालु को कोई भी परेशानी नहीं होने दी जाएगी। श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्रीपंच दशनाम जूना अखाडा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज ने बताया कि प्रयागराज में 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में मेला अधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि महाकुंभ का आयोजन कितना भव्य व विशाल होता है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछली बार के महाकुभ में विश्व भर से 25 करोड लोग पहुचे थे और इस बार यह आंकडा 35 करोड तक पहुंच जाने की उम्मीद है। संतों के आशीर्वाद से इस बार का महाकुंभ और भी भव्य व दिव्य रहेगा। केंद्र सरकार महाकुंभ के लिए 40 हजार करोड रुपए खर्च करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं सभी तैयारियों पर नजर रख रहे हैं। महाकुंभ में आने के लिए श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो, इसके लिए सडकें बनवाई जा रही हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड आदि से श्रद्धालुओं को लाने के लिए बसों की निशुल्क सुविधा रहेगी। महाकुंभ के लिए विशेष रेल चलाई जाएंगी। सुरक्षा का विशेष प्रबंध रहेगा और चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात होगी। पूरे मेला क्षेत्र पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी। मेडिकल की हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध रहेगी। अखाड़ों ने इस बार अधिक भूमि आवंटित किए जाने की मांग की है, उसे पूरा करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। स्नान के दौरान भी श्रद्धालुओं को कोई असुविधा नहीं होगी।

दलित मृतक बच्ची के परिवारजनों से मिलने पहुंचे सामाजिक संगठन के नेता

संस्कार उजाला
गाजियाबाद(संस्कार उजाला ओमप्रकाश) ढाई साल की बच्ची के साथ हुये कुकर्म से हर किसी का दिल काप उठा मामा की बारात में गई बच्ची को अगवा किया गया काली नदी के किनारे उसकी गर्दन व सिर पर वार कर हत्या कर दी गई थी परिवार द्वारा बलात्कार की आशंका जाहिर करने के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि नहीं हुई गाजियाबाद सिहानी चुंगी की मास्टर कॉलोनी हरिवंश नगर में रहने वाले अनिल कुमार अपनी पत्नी सपना दोनों बच्चे शादी में गए थे यहां भावनपुर थाना क्षेत्र के गांव दतावली में यह घटना घटित हुई बच्चों को अगवा कर हत्या की गई स्वजनों ने फिलहाल दुल्हन के जीजा शिवकुमार पुत्र जय सिंह निवासी दतावली टेंट व्यापारी असीम पुत्र सलीम निवासी कमालपुर व अरुण कुमार पुत्र रोहिताश निवासी गैस शिवपुरी को नामजीत किया पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। आज मृतका भावी के परिवारजन पिता अनिल कुमार के मकान पर क्षेत्र के कई सामाजिक संगठन नेताओं ने मिलकर सांत्वना दी हिंदू रक्षा दल के नेता पिंकी चौधरी अपने साथियों के साथ व अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के सचिव गजेंद्र सिंह विधि विशेषज्ञ पूर्व अध्यक्ष कमलेंद्र गौतम अपने साथियों के साथ व पार्षद सुभाष चौधरी भाजपा सेक्टर संयोजक भूपेंद्र चौधरी दीपक कौशिक पत्रकार पुष्पेंद्र सिंन्हा पत्रकार ओम प्रकाश अजय बिट्टा आदि शामिल रहे इस संबंध में हिंदू रक्षा दल के नेता पिंकी चौधरी वह विधि विशेषज्ञ गजेंद्र सिंह ने मेरठ पुलिस से संपर्क साध कर घटना की जानकारी भी ली। पुलिस एस एस पी डॉक्टर विपिन ताडा ने बताया तीनों अभियुक्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है परिवारजन बच्चों के साथ हुई इस दुर्घटना को कभी बलात्कार कभी तांत्रिक विद्या जैसे घनन अपराध में हुई हत्या को लेकर असमंजस में है

गाजियाबाद शनिवार के स्थान पर सोमवार 22.07.2024 को होगा सम्पूर्ण समाधान दिवस

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किये जाने विषयक शासनादेश अनुसार अनिल कुमार विशेष सचिव के पत्र के क्रम में कहा गया कि ¤सम्पूर्ण समाधान दिवस¤ प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को तहसील मुख्यालय पर प्रातः 10.00 बजे से 02.00 बजे तक आयोजित किये जाने के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिसमें अवगत कराना है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन के पत्र द्वारा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत दिनांक 20.7.2024 (माह का तृतीग शनिवार) को एक ही दिवस में 36.50 करोड पौधारोपण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इस हेतु जनप्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गयी है। इस संबंध में शासन स्तर पर सम्यक विचारोपरान्त यह निर्देश हुआ है कि ¤सम्पूर्ण समाधान दिवस¤ माह जुलाई, 2024 के तृतीय शनिवार दिनांक 20.7.2024 के स्थान पर दिनांक 22.7.2024 (सोमवार) को आयोजित किया जाये।

गोविंदपुरम, संजय नगर और विजयनगर में 55 स्थानों पर मिला डेंगू का लार्वा

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद मलेरिया विभाग के सर्वे में गोविंदपुरम, संजय नगर, विजयनगर और लैंड क्राफ्ट में 55 स्थानों पर डेंगू का लार्वा मिला है। संक्रामक रोग नियंत्रण अभियान के दस्तक अभियान में रोजाना 50 से 55 स्थानों पर डेंगू का लार्वा मिल रहा है। सर्वे से पता चला है कि पुरानी कॉलोनियों में कूलर में डेंगू के लार्वा मिल रहे हैं जबकि, हाईराइज सोसायटी में गमलों में लार्वा की पुष्टि हुई है ।जिला मलेरिया अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में दस्तक के तहत घर-घर शुरू कराए गए सर्वे में बृहस्पतिवार को कुल 55 स्थानों पर डेंगू का लार्वा मिला है। इसमें विजय नगर, गोविंदपुरम के बी और सी ब्लॉक, संजय नगर सेक्टर-23 के सरकारी आवास में कूलर में लार्वा मिले हैं जबकि, हाईराइज सोसायटी में अलग-अलग 12 स्थानों पर गमलों में डेंगू का लार्वा मिला है। सभी संबंधित भूस्वामियों को चेतावनी देकर दोबारा जलभराव होने से बचाने का निर्देश मलेरिया विभाग की टीम ने दिया है। इन क्षेत्रों में एंटी लार्वा का छिड़काव भी कराया गया है। कूलर, गमले और पक्षियों को पानी देने वाले बर्तनों के अलावा छत पर टूटे-फूटे बर्तनों में डेंगू का लार्वा मिला है। 15 दिन के बाद दोबारा जांच करने पर अगर लार्वा मिला तो संबंधित के खिलाफ नोटिस जारी कर जुमार्ना वसूला जाएगा।यह क्षेत्र हैं संवेदनशील प्रताप विहार सेक्टरा-11, सिद्धार्थ विहार-दो, राहुलविहार, डूंडाहेड़ा, बागू, क्रिश्चियन नगर, मिजार्पुर, कैला भट्ठा, दीनदयालुपुरी, सेवानगर, मालीवाड़ा, गगन विहार, कृष्णा नगर, लाल क्वार्टर, लोहिया नगर, सर्वोदय नगर, सुंदरपुरी, ऊदलनगर, दौलतपुरा, नासिरपुर फाटक और महेंद्रा एंक्लेव, झंडापुर, करहेड़ा, कनावनी, अर्थला, नंदग्राम, नूरनगर सिहानी, पीला क्वार्टर समेत 27 क्षेत्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है।

गाजियाबाद दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल जी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) अध्यापकों की वर्कशॉप का आयोजन

कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधि, नीति, प्रशासनिक तंत्र, बाल अधिकारों पर टिप्स दिए गए।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद आरटीआई अधिनियम की धारा 17 और स्कूलों में शारीरिक दंड को खत्म करने के दिशा निदेर्शों पर चर्चा कराई गई। राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग संरक्षण की प्रतिनिधि डॉक्टर गीता मल्होत्रा ने मनोवैज्ञानिक पहलुओं को परिभाषित किया दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव गोपाल जी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) अध्यापकों की वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गतिविधि, नीति, प्रशासनिक तंत्र, बाल अधिकारों पर टिप्स दिए गए। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव, कार्यकारी डायट प्राचार्या शाहीन, डाइट मैंटर शिखा, पवन कुमार भाटी, राज्य संसाधन समूह के सदस्य पूनम शर्मा ने भी बिंदुवार टिप्स दिए। कार्यक्रम में बाल अधिकार संरक्षण की गतिविधियों पर गहन जानकारी दी गई। आरटीआई अधिनियम की धारा 17 और स्कूलों में शारीरिक दंड को खत्म करने के दिशा निदेर्शों पर चर्चा कराई गई। आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 17 और स्कूलों में शारीरिक दंड को खत्म करने हेतु जागरूकता कार्यशाला में सभी ब्लॉकों से 24-24 प्रधानाध्यापकों को बुलाया गया था। विद्यालय में जागरूकता अभियान का आयोजन करते हुए छात्र, शिक्षक और अभिभावकों को धारा 17 के प्रावधानों की जानकारी दी गई।राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग संरक्षण की प्रतिनिधि डॉक्टर गीता मल्होत्रा ने मनोवैज्ञानिक पहलुओं को परिभाषित किया। कार्यक्रम में जनपद के 120 प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूनम शर्मा ने किया। इस अवसर पर एसआरजी विनीता त्यागी, प्रधानाध्यापक मो. असलम, अंशुमान भारद्वाज, मो.नसीम, गुरदीप, रविंदर कुमार, धर्मेश जौहर व नीतू सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद पंडित अशोक भारतीय सह संयोजक वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ भाजपा महानगर

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति तथा वर्तमान में राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी श्रीमान डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक रैली के दौरान अमेरिका में हुए प्राण घातक हमले के बाद मैं पंडित अशोक भारतीय सह संयोजक वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ भाजपा महानगर गाजियाबाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताकर उनके खिलाफ घ्रणित वातावरण बनाने वाले कांग्रेस वामपंथ सहित सभी से ऐसे दुष्प्रचार की निंदा करता हूं कांग्रेस पार्टी का जो वामपंथी करण और इस्लामीकरण हुआ है हुआ है जिसके तहत और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा मोदी को मौत का सौदागर कहा जाता है और उसके नेता राहुल गांधी भी मरने मारने की बात करते हैं तथा विवादस्पद बयान देते हैं कि काफिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कुछ भी फेंका जा सकता है नेता प्रतिपक्ष को परिपक्वता दिखानी चाहिए और किसी कांग्रेस नेता के बयान तो शब्दों में बयां करने वाले नहीं है ऐसे घ्रणित शब्दों का इस्तेमाल पीएम साहब के खिलाफ किया है पूर्व में भी कुछ समय पहले पंजाब में कांग्रेस के शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रयास किया गया सभी पक्ष विपक्ष को एक सौहार्द पूर्ण वातावरण में राजनीति करना चाहिए तथा बयानों के स्तर को नहीं गिरना चाहिए सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद भी पीएम मोदी की हिटलर की तरह मौत की बात करते हैं ऐसे बयान हिंसा के लिए उकसाने वाले हैं इन पर रोक लगाने की विपक्षी नेताओं से मैं पंडित अशोक भारतीय प्रार्थना करता हूं तथा देश में सत्ता आती जाती है रहती है लेकिन किसी की यदि जान चली जाए तो वह वापस नहीं आती और राजनीति का स्तर बनाए रखें उसमें गिरावट न लाएं ??

महाकुंभ की तैयारियों व व्यवस्थाओं को लेकर प्रयागराज में सभी 13 अखाड़ों की बैठक का आयोजन किया गया

बैठक में अखाड़ा के प्रतिनिधियों ने मेला अधिकारी को अनेक सुझाव दिए प्रयागराज

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद इस बार का महाकुंभ प्रयागराज में है। महाकुंभ 13 जनवरी 2025 से शुरू होगा और 26 फरवरी तक चलेगा। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ 2025 की व कुंभ मेले की व्यवस्थाओं को लेकर गुरूवार को सभी 13 अखाडों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मौजूद मेला अधिकारियों ने 13 अखाडों निरंजनी अखाड़ा, जूना अखाड़ा, महानिर्वाण अखाड़ा, अटल अखाड़ा, आह्वान अखाड़ा, आनंद अखाड़ा, अग्नि अखाड़ा, अखाड़ा, वैष्णव अखाड़ा, उदासीन पंचायती बड़ा अखाड़ा, उदासीन नया अखाड़ा, निर्मल पंचायती अखाड़ा और निमोर्ही अखाड़ा के पदाधिकारियों व संतों को कुंभ मेले को लेकर की जा रही तैयारियों व व्यवस्थाओं की जानकारी दी। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि महाराज ने कहा कि महाकुंभ आस्था का ऐसा पर्व है, जिसमें भारत ही नहीं पूरे विश्व के संत व भक्त डुबकी लगाते हैं और अपने जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति पाते हैं। कुंभ मेला भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान है और ऐसा भव्य व विशाल आयोजन विश्व में कहीं भी नहीं होता है। अत: जहां गंगा की निर्मलता जरूरी है। ऐसा तभी होगा, जब गंगा-यमुना ही नहीं पूरे मेले क्षेत्र को भी पॉलिथीन मुक्त किया जाएगा। श्रीमहंत मोहन भारती ने कहा कि महाकुंभ पर पूरे विश्व की नजर रहती है। अत: सभी को महाकुंभ को सफल बनाने के लिए सहयोग करना होगा। निरंजनी अखाड़ा के राष्ट्रीय सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि महाकुंभ का आयोजन हजारों वर्षो से हो रहा है, अत: इसका प्राचीन गौरवमयी स्वरूप बरकरार रहे, यह हम सभी का दायित्व है। वैष्णव अखाड़ा के महंत मुरली दास महाराज ने कहा कि महाकुंभ के लिए ऐसी तैयारियां होनी चाहिए कि संतों ही नहीं एक भी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। उन्हें सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर, श्रीपंच दशनाम जूना अखाडा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटिड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज ने बताया कि बैठक में सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने 2025 में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को लेकर अपने सुझाव दिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर दिव्य महाकुंभ, भव्य महाकुंभ, सुरक्षित महाकुंभ व सुगम महाकुंभ को जो नारा दिया है, उसे धरातल पर उतारने के लिए सभी तैयारियां समय से पूरी होना आवश्यक है। महाकुंभ के आयोजन को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो दिन-रात लगे ही हुए हैं, केंद्र सरकार भी इसमें अपना पूरा सहयोग कर रही है। महाकुंभ का आयोजन दिव्य, भव्य सुरक्षित वसुगम होगा तो पूरे विश्व में भारत का गुणगान होगा। श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज ने बताया कि मेला अधिकारी विजय किरन आनंद समेत सभी अधिकारियों ने सभी संतों के सुझावों को गंभीरता से सुना और कहा कि संतों के आशीर्वाद से इस बार का महाकुंभ सबसे अधिक भव्य, दिव्य व यादगार रहेगा और इसके लिए संतों ने जो भी सुझाव दिए हैं, उन सभी पर अमल किया जाएगा। बैठक में महंत महेश पुरी महाराज, महंत शैलेंद्र गिरी महाराज, आदि भी मौजूद रहे।

गाजियाबाद संजय नगर रामलीला कमेटी पार्षद पप्पू नागर का जन्मदिन वृक्षारोपण कर मनाया गया स्थानीय लोगों ने जन्मदिन की दी शुभकामनाएं पार्षद पप्पू नागर ने गाजियाबाद कि जनता को दिया संदेश हर व्यक्ति जन्मदिन पर पेड़ लगाए

संस्कार उजाला

गाज़ियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद श्री आदर्श धार्मिक रामलीला कमेटी (रजि०), संजय नगर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजीव चौधरी द्वारा अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद से ही एक नई पहल चलाई जा रही है की कमेटी के प्रत्येक संरक्षक के जन्मदिवस पर कमेटी द्वारा रामलीला मैदान के आस-पास वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अब इसी क्रम में संजय नगर रामलीला कमेटी द्वारा अध्यक्ष संजीव चौधरी के नेतृत्व में क्षेत्रीय पार्षद उमेश (पप्पू नागर) के जन्मदिवस को भी सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए वृक्षारोपण अभियान चलाकर जन्मदिवस मनाया गया। कमेटी के सभी सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत मैदान के आस-पास विभिन्न छायादार और फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत मे पार्षद पप्पू नागर द्वारा वहाँ उपस्थित कमेटी के सभी सदस्यों व स्थानीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद पप्पू नागर के अतिरिक्त कमेटी के अध्यक्ष संजीव चौधरी, कोषाध्यक्ष तरुण शर्मा, मुख्य संरक्षक मोहन सिंह रावत, रविंद्र सिंह राणा, किरणपाल तेवतिया, अमरदत्त शर्मा, अशोक चाँदीवाल, सतपाल सिंह देशवाल, पूनम शर्मा, हरेंद्र यादव एवं अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

छात्रा से गेंगरेप,बारह दिनों तक बंधक बनाकर की गयी हैवानियत

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी) गाजियाबाद जनपद के मोदीनगर क्षेत्र के पास एक गांव में रहने वाली छात्रा 24,को कालेज जाने के लिए घर से निकली थी परंतु वापस घर नहीं पहुंची, परिजनों के काफी तलाश करने पर जब छात्रा नहीं मिलने पर क्षत्रिय थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई, आरोपीयों ने छात्रा को 26,जोलाई को जनपद के भोजपुर थाने के पास छोड़ गये जिसे थाना भोजपुर पुलिस ने फटाफट बरामदगी दिखाते हुए पीड़ित के घर फोन कर छात्रा को घर वापस भेजा, परिजनों को छात्रा ने जानकारी देते हुए बताया की 24,जून को मेरठ के क्षेत्र मोहिउद्दीनपुर परतापुर से दो लोगों द्वारा अगवा किया गया था जिसे मेरठ से जम्मू ले गये थे जहां लगभग 6, दिनों तक अलग-अलग होटलों में बंधक बनाकर चार लोगों ने रेप द्वारा किया गया,अश्लील वीडियो बनाई और धमकी दी अगर इस बारे में किसी को जानकारी दी तो वीडियो वायरल कर तुझे जान से मार देंगे,जब इस बाबत पीड़ित मुकद्दमा दर्ज कराने संबंधीत थाने गए तो पीड़ित को मेरठ घटना स्थल कह कर टरका दिया जब पीड़ित मेरठ मुकद्दमा लिखवा चाहा तो तो मेरठ परतापुर थाने ने भी पीड़ित को टरका दिया आखिर हारकर पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से गुहार लगाई तब कहीं जाकर परतापुर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है ।वहीं आयुष विक्रम सिंह (एसपी सिटी मेरठ) ने पीड़ित को आश्वासन देते हुए कहा की पुलिस बताएं अनुसार होटलों के सीसीटीवी फुटेज तलाश करने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011